आर.एन.आई. नंबर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 139 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

इंदौर, शनिवार, 24 मई, 2025

117 करोड़ की लागत के 50 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण

लहार में स्थापित होगा नया औद्योगिक केंद्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भिंड जिले के लहार में महिला स्व-सहायता समूह सम्मेलन को किया संबोधित

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लहार में नया औद्योगिक केंद्र स्थापित करने की घोषणा की है। इसके साथ ही मछण्ड और असवार क्षेत्र को नगर परिषद बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में उद्योगों को बढ़ावा देकर युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। दूसरी ओर किसानों की आय बढ़ाने के लिए किसान और कृषि हित में अनेक निर्णय लिए गए हैं। किसान को फसलों का उचित दाम मिले और फसल बर्बाद न हो, इसके लिए प्रदेश में कृषि आधारित उद्योग स्थापित करने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भिंड जिले के लहार में महिला स्व-सहायता समूह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

भिंड के युवाओं का पराक्रम सराहनीय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने शौर्य की गाथा लिखी है। भिंड के घर-घर से निकले जवान मां भारती की रक्षा में सीमाओं पर तैनात हैं। चंबल की धरती के सपूत लंबे समय से बॉर्डर पर दुश्मन का खात्मा करते आ रहे हैं। लहार का गौरवशाली अतीत महाभारत काल से भी जुड़ता है। ऐसा माना जाता है कि लहार में ही पांडवों के खिलाफ षड्यंत्र रचते हुए लाक्षागृह बनवाया गया था। भिंड वो धरती है, जहां कभी किसी के साथ अन्याय नहीं हो सकता है। वो दिन लद गए जब चंबल क्षेत्र में दस्युओं का डर दिखाकर लोगों पर अत्याचार होते थे। अब भिंड की जनता ने परिवर्तन का रास्ता चुना है। मध्यप्रदेश सरकार चंबल क्षेत्र के विकास के लिए पूरी तरह संकल्पित है। यहां जनता का प्रेम और आत्मीयता से मन भाव-विभोर है।

आलमपुर कॉलेज का नामकरण लोकमाता देवी अहिल्याबाई के नाम पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई का 300वां जयंती वर्ष चल रहा है। भिंड जिले के आलमपुर का कॉलेज अब लोकमाता देवी अहिल्याबाई के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भिंड में विकास को गति प्रदान करते हुए 117 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 33 विकास कार्यों का भूमिपूजन और 17 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का सिंचित क्षेत्र वर्तमान में 55 लाख हेक्टेयर है, इसे निकट भविष्य में 100 लाख हेक्टेयर तक लेकर जाएंगे। सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए नदी जोड़ो परियोजनाओं पर कार्य हो रहा है। राजस्थान के साथ पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी परियोजना को 40 साल बाद मंजूरी मिली है। लगभग 70 हजार करोड़ की लागत से इस परियोजना का कार्य जारी है। इसी प्रकार पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी के सपने को पूरा करते हुए केंद्र सरकार की सहायता से केन-बेतवा लिंक परियोजना की नींव रखी गई है। बुंदेलखंड के कई जिले इससे लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के किसान की समृद्धि और जीवन सरल बनाने के लिए 5 रुपए में स्थायी बिजली कनेक्शन और 30 लाख सोलर पंप प्रदान करने की शुरुआत की गई है। किसानों को सिर्फ 10 प्रतिशत कीमत पर सोलर पंप मिल रहे हैं। किसानों को सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। हर महीने माताओं-बहनों को लाड़ली बहना योजना की राशि भी मिलती रहेगी।

अनेक जनहितैषी निर्णय लिए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए अनेक जनहितैषी निर्णय लिए हैं। इनमें राहवीर योजना शामिल है। अब सड़क हादसों के घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि मिलेगी। इसके साथ ही प्रदेश में गंभीर बीमारियों के पीड़ितों को एयर एम्बुलेंस का लाभ दिया जा रहा है। अब गरीब के परिवार के किसी व्यक्ति की अस्पताल में मृत्यु हो जाए तो सरकार ने पार्थिव शरीर घर पहुंचाने के लिए नि:शुल्क शव वाहन की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के तहत हितलाभ भी वितरित किये। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश को स्वर्णिम राज्य बनाने का लक्ष्य रखा है। सांसद श्रीमती संध्या राय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लहार क्षेत्र की जनता को अनेक विकास कार्यों की सौगात दी है। लहार विधायक श्री अमरीश शर्मा ने क्षेत्र के विकास के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विधायक श्री नरेंद्र सिंह कुशवाहा, पूर्व मंत्री श्री लाल सिंह आर्य एवं पूर्व मंत्री श्री ओपीएस भदौरिया सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़ में 4 नक्सली ढेर

CRPF के 300 जवानों ने घेरकर मारा, शव-हथियार बरामद, सुकमा में भी एक नक्सली मारे जाने की खबर

संवाददाता ● जगदलपुर

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर शुक्रवार को महाराष्ट्र के C-60 कमांडोज ने 4 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। बताया जा रहा है कि CRPF के 300 जवानों की टीम ने जंगल के बीच नक्सलियों को घेरकर मारा है। बड़ी संख्या में हथियार बरामद किए गए हैं। मामला कवांडे और नेलगुंडा इलाके का है।

मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की सुबह नेलगुंडा इलाके में नक्सलियों ने जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। लगभग 2 घंटे से रुक-रुककर गोलीबारी हुई।

सर्चिंग के दौरान 4 नक्सलियों के शव, एक सेल्फ लोडिंग राइफल, एक 303 राइफल और एक भरमार बंदूक बरामद की गई। इसके अलावा मौके से वॉकी-टॉकी और नक्सली साहित्य भी बरामद किया गया।

वहीं सुकमा में भी पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में एक नक्सली के मारे जाने की खबर है। सुकमा पुलिस ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। फिलहाल सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। रुक-रुककर फायरिंग हुई। मामला किस्टाराम थाना क्षेत्र का है।

2 दिन पहले 27 नक्सली मारे

सुकमा-बीजापुर बॉर्डर पर बुधवार सुबह पुलिस-नक्सलियों की मुठभेड़ हुई,जिसमें 27 नक्सलियों को मार गिराया गया। इसमें 10 करोड़ का इनामी नक्सली बसवा राजू भी शामिल है। वहीं एनकाउंटर के दौरान गोली लगने से कोबरा बटालियन का एक और डीआरजी के 2 जवान शहीद हो गए। सुकमा DRG, STF और कोबरा बटालियन की टीम ऑपरेशन पर निकली थी। मामला तुमरेल क्षेत्र का है।

CM साय और गृहमंत्री ने पार्थिव शरीर को कंधा दिया

वहीं एक दिन पहले सुकमा-बीजापुर बॉर्डर पर तुमरेल क्षेत्र में पुलिस-नक्सलियों की मुठभेड़ हुई है। इसमें कोबरा बटालियन का एक जवान शहीद हो गया है। जवानों को गोली लगी थी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और डिप्टी गृहमंत्री विजय शर्मा ने कोबरा बटालियन के मेहुल सोलंकी के पार्थिव शरीर को कंधा दिया।

राहुल गांधी ने विदेश मंत्री जयशंकर से पूछे 3 सवाल

एजेंसी ● नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार की विदेश नीति को 'विफल' करार देते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने जयशंकर के एक विदेशी पत्रकार को दिए गए साक्षात्कार के कुछ अंश वाला वह वीडियो फिर से पोस्ट किया, जिसे कांग्रेस ने अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा किया था।

उन्होंने विदेश मंत्री से 3 सवाल करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, 'क्या जेजे (जयशंकर) बताएंगे कि भारत को पाकिस्तान के साथ क्यों जोड़ा गया है? पाकिस्तान की निंदा करने में एक भी देश ने हमारा समर्थन क्यों नहीं किया? और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत और पाकिस्तान के बीच ''मध्यस्थता'' करने के लिए किसने कहा?'

उन्होंने आरोप लगाया कि भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई है। कांग्रेस ने जयशंकर के इस साक्षात्कार के कुछ अंश का वीडियो साझा करते हुए कहा, 'इनकी जुबान क्यों लड़खड़ा रही है?' इस साक्षात्कार में जयशंकर से अमेरिकी 'मध्यस्थता' संबंधी डोनाल्ड ट्रंप के दावे समेत कई विषयों पर सवाल किए गए थे। इस साक्षात्कार में जयशंकर ने पहलगाम हमले और भारत-पाक तनाव पर सवालों के जवाब दिए थे।

दरअसल, कांग्रेस नेताओं ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को 'जयचंद जयशंकर' कहना शुरू कर दिया है। यह नाम 'पृथ्वीराज रासो' की ऐतिहासिक कथा से लिया गया है, जिसमें राजा जयचंद को देशद्रोही बताया गया है। कांग्रेस नेता जयशंकर को हटाने की मांग कर रहे हैं।

अपने नेता की बचकानी बातों पर पछता रहे होंगे कांग्रेसी : पटेल

विदेश मंत्री पर राहुल गांधी की पोस्ट को लेकर नागपुर में एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि आज जब देश एकजुट है, तब लोकसभा में विपक्ष के नेता ऐसी बचकानी बातें कर रहे हैं। मुझे लगता है कि कांग्रेस के लोग खुद पछता रहे होंगे कि उनके नेता ने ऐसी बचकानी बातें कहीं। अगर हम किसी दूसरे देश के साथ युद्ध करते हैं या उनके एयरबेस पर हमला करने की बात करते हैं तो क्या हम उन्हें पहले से इसकी जानकारी देते हैं? प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और प्रधानमंत्री मोदी ने पहले ही दिन कहा था कि हम बदला लेंगे।

भारत में फिर लौटा कोरोना, अहमदाबाद में 20 मरीज मिले

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। शुक्रवार को गुजरात के अहमदाबाद में 20, यूपी में 4, हरियाणा में 5 और बेंगलुरु में 9 महीने का एक बच्चा कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। इस तरह देश में अब तक कोरोना के 312 एक्टिव केस हैं। 2 मौतें हो चुकी हैं। उधर, दिल्ली सरकार ने कोविड-19 को लेकर एडवाइजरी जारी की है। सरकार ने सभी अस्पतालों को कहा है कि वे बेड, ऑक्सीजन, दवाइयों और वैक्सीन की पूरी व्यवस्था रखें। दिल्ली के सभी अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि हर पॉजिटिव कोविड सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए लोक नायक अस्पताल भेजा जाए। सभी संस्थानों को अपनी रिपोर्ट दिल्ली हेल्थ डेटा पोर्टल पर डेली अपलोड करनी होगी। ये एडवाइजरी ऐसे समय पर जारी की गई है जब पाकिस्तान, चीन, थाईलैंड और सिंगापुर जैसे देशों में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। गुजरात अब तक कुल 40 मामले आ चुके, जिनमें 33 एक्टिव हैं। दिल्ली के हेल्थ मिनिस्टर पंकज सिंह ने बताया कि गुरुवार तक राजधानी में 23 केस दर्ज किए गए हैं। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद में 4 नए मरीज सामने आए। तीन मरीज को आइसोलेशन में रखा गया है, जबकि एक अस्पताल में भर्ती है।

टर्बुलेंस में फंसी इंडिगो फ्लाइट को पाक ने नहीं दिया रास्ता

विमान की नोज क्षतिग्रस्त, खतरे में थी 227 यात्रियों की जान

एजेंसी ● नई दिल्ली

बुधवार को दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6E 2142 में भयानक टर्बुलेंस हुआ, जिससे 227 यात्रियों में डर का माहौल बन गया। यह फ्लाइट एक बड़े तूफान से गुजर रही थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। फ्लाइट का पायलट सतर्क था, जिसकी वजह से बड़ा हादसा टल गया। उसे भयानक टर्बुलेंस की वजह से पाकिस्तान एयरस्पेस में जाने की परमिशन मांगी,लेकिन लाहौर एटीसी ने पायलट के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।

यात्रियों ने इस डरावने पल को वीडियो में रिकॉर्ड किया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में लोग डरे हुए दिख रहे हैं—कुछ अपनी सीटें पकड़े हैं, तो कुछ प्रार्थना कर रहे थे। फ्लाइट की नोज (आगे का हिस्सा) टूट गई, जो लैंडिंग के बाद वायरल तस्वीरों में दिखी। हालांकि, फ्लाइट सुरक्षित लैंड कर गई, लेकिन इस घटना ने हवाई उछाल यानी टर्बुलेंस के खतरों को सामने ला दिया। डीजीसीए ने कहा कि चालक दल ने शुरू में वापस लौटने का प्रयास किया था, लेकिन जब वे तूफानी बादलों के करीब थे तो उन्होंने खराब मौसम में ही आगे बढ़ने का फैसला किया। नियामक के अनुसार, विमान में सवार किसी भी यात्री या क्रू को कोई चोट नहीं आई है तथा विमान

का आगे का हिस्सा ''नोज रेडोम'' क्षतिग्रस्त हो गया है। डीजीसीए विमान के खराब मौसम की चपेट में आने की घटना की जांच कर रहा है। इंडिगो फ्लाइट एक बड़े तूफान से गुजर रही थी। पहले उसे अपड्राफ्ट का सामना करना पड़ा, जिससे फ्लाइट करीब 3 किलोमीटर ऊपर चली गई। इसके बाद डाउनड्राफ्ट हुआ, जिसने फ्लाइट को तेजी से नीचे खींचा। इस दौरान तूफान में ओले (हेलस्टोन्स) भी बने, जिन्होंने फ्लाइट की नोज को तोड़ दिया। जब हवा ऊपर जाती है, तो पानी की बूंदें ठंडी होकर ओले बनाती हैं। इन ओलों ने फ्लाइट के आगे के हिस्से को नुकसान पहुंचाया।

पायलट का सही फैसला

बुधवार को पंजाब से उत्तर प्रदेश तक पूरे उत्तर-पश्चिमी इलाके में बड़ा तूफान था। ऐसे में पायलट को तूफान से बचकर दूसरा रास्ता लेना था। पायलट ने तूफान से बचने के लिए पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में जाने की अनुमति मांगी, लेकिन पाकिस्तान ने इजाजत नहीं दी। मजबूरी में फ्लाइट को तूफान से होकर गुजरना पड़ा। पायलट ने सही फैसले लेते हुए फ्लाइट को सुरक्षित ऊंचाई पर रखा और ज्यादा नुकसान होने से बचाया।

वायुसेना ने की लैंडिंग में मदद-

भारतीय वायुसेना के सूत्रों के मुताबिक भारतीय वायुसेना ने विमान की सुरक्षित लैंडिंग तक पायलट की मदद की। भारतीय नॉर्दर्न एरिया कंट्रोल ने तुरंत IndiGo के पायलट को सलाह दी और दिल्ली कंट्रोल से समन्वय शुरु किया। पायलट को लाहौर कंट्रोल की फ्रीक्वेंसी भी दी गई, ताकि अगर इमरजेंसी अनुमति मिले तो इस्तेमाल की जा सके। पाकिस्तान से इजाजत नहीं मिलने पर विमान को वैकल्पिक मार्ग से श्रीनगर की ओर मोड़ा गया। यहां से भारतीय वायुसेना ने नियंत्रण अपने हाथ में लिया और पायलट को रियल-टाइम कंट्रोल वेक्टर और ग्राउंड स्पीड अपडेट देकर सुरक्षित लैंडिंग करवाई।

राममंदिर के फर्स्ट फ्लोर पर स्थापित हुआ राम दरबार : प्रतिमा को अभी ढककर रखा गया है

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद ही श्रद्धालु दर्शन कर पाएंगे

एजेंसी ● अयोध्या

राम मंदिर के प्रथम तल के गर्भगृह में शुक्रवार दोपहर में राम दरबार की प्रतिमा की स्थापना कर दी गई है। मूर्ति को रखने का काम क्रेन की मदद से किया गया। श्रद्धालु राम दरबार का दर्शन प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद कर पाएंगे। अभी उसे ढककर रखा गया है। मूर्ति को जयपुर में तैयार किया गया है। मूर्तियां मकराना के सफेद संगमरमर से बनी है। इसमें

भगवान श्रीराम और सीता सिंहासन पर विराजमान हैं। भरत और हनुमान जी भगवान श्रीराम के चरणों के पास बैठे हैं।इस सफेद रंग के ट्रक में लाया गया है। राम दरबार की मूर्ति उतार ली गई है जो पूरी तरह पैक है।शेष दो ट्रक अभी लोड ही खड़े हुए हैं। वहीं लक्ष्मण और शत्रुघ्न, भगवान राम के पीछे खड़े होकर चंवर डुलाकर उनकी सेवा कर रहे हैं। मूर्ति की प्रतिष्ठा की तैयारी पूरी हो चुकी है। राम दरबार का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 3 से 5 जून तक होना है। अयोध्या के कालेराम मंदिर में काले शालिग्राम की एक ही शिला पर लगभग ऐसा ही राम दरबार बना हुआ है। राम लला के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु इस राम दरबार के दर्शन जरूर करते हैं। अब राम मंदिर में राम दरबार की प्रतिमा स्थापित होने के बाद उन्हें राम दरबार के दर्शन के लिए दूसरी जगह नहीं जाना होगा।

3 जून से ही शुरु हो जाएगा प्राण प्रतिष्ठा समारोह

श्रीराम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया- 5 जून तक मंदिर पूरी तरह से बन कर तैयार हो जाएगा। राम दरबार का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 3 जून से शुरू होगा। मुख्य कार्यक्रम 5 जून को रखा गया है। परिसर में 7 अन्य मंदिर भी बनाए गए हैं और उन मंदिरों के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान उसी समय किए जाएंगे।

नृपेंद्र मिश्रा ने बताया - गेस्ट लिस्ट में राज्य या केंद्र के विशिष्ट लोग शामिल नहीं होंगे। ट्रस्ट इस पर विचार कर रहा है। शायद वे उस समारोह के समय विभिन्न धर्मों के कई आध्यात्मिक गुरुओं को आमंत्रित करेंगे।

5 जून के समारोह के एक हफ्ते के भीतर मंदिर के नए हिस्से को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाने की उम्मीद है। रामदरबार का दर्शन रोज केवल 750 लोग ही कर सकेंगे। इसके दर्शन के लिए हर घंटे केवल 50 पास ही जारी किए जाएंगे।

ऑल-न्यू CB750 हॉर्नेट और CB1000 हॉर्नेट SP 'बुकिंग्स शुरू'

होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने लॉन्च की

संवाददाता ● गुरुग्राम

लॉन्च

होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने आज अपने प्रीमियम पोर्टफोलियो में दो दमदार नई मोटरसाइकलों — CB750 हॉर्नेट और CB1000 हॉर्नेट SP — के लॉन्च की घोषणा की। इन दोनों मोटरसाइकलों की बुकिंग अब खुल चुकी है और इनकी डिलीवरी जून 2025 से शुरू की जाएगी।नई होंडा CB750 हॉर्नेट की कीमत 8,59,500 (एक्स-शोरूम, गुरुग्राम) रखी गई है, जबकि CB1000 हॉर्नेट SP की कीमत 12,35,900 (एक्स-शोरूम, गुरुग्राम) निर्धारित की गई है। CB750 हॉर्नेट देश भर के सभी BigWing Topline और BigWing डीलरशिप्स पर उपलब्ध होगी, वहीं CB1000 हॉर्नेट SP को केवल BigWing Topline डीलरशिप्स के माध्यम से बेचा जाएगा।

नई प्रीमियम मोटरसाइकलों की शुरुआत पर होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया के प्रबंध निदेशक, प्रेसीडेंट और सीईओ श्री त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, 'भारत का प्रीमियम मोटरसाइकल सेगमेंट वर्षों से शानदार विकास कर रहा है, खासकर उन युवाओं के बीच जो स्टाइल के साथ परफॉर्मेंस की तलाश में रहते हैं। CB750 हॉर्नेट और CB1000 हॉर्नेट SP के लॉन्च के साथ, हम फन बाइकिंग के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करना चाहते हैं। ये मोटरसाइकलें होंडा की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, एग्रेसिव डिज़ाइन और रोमांचक परफॉर्मेंस की विरासत को दर्शाती हैं। हमें पूरा विश्वास है कि ये हॉर्नेट्स उन राइडर्स को जरूर पसंद आएंगी जो एक डायनामिक और स्पोर्टी राइडिंग अनुभव की तलाश में हैं।"

लॉन्च के अवसर पर होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया के सेल्स एंड मार्केटिंग डायरेक्टर श्री योगेश माथुर ने कहा, 'हॉर्नेट ने हमेशा उत्साही राइडर्स के दिलों में एक खास जगह बनाई है, और CB750 तथा CB1000 हॉर्नेट SP के साथ हम इस विरासत को अगले स्तर तक ले जा रहे हैं। ये मोटरसाइकलें अत्याधुनिक तकनीक, प्रतिष्ठित डिज़ाइन और प्रभावशाली रोड प्रजेंस के संगम से बनी हैं, जो इन्हें अपने-अपने सेगमेंट में एक आकर्षक विकल्प बनाती हैं। भारत में परफॉर्मेंस मोटरसाइकल्स की बढ़ती मांग हमें रोमांचित करती है, और हमें विश्वास है कि ये हॉर्नेट्स हर रोमांच पसंद करने वाले राइडर को पसंद आएंगी। हम बाइकिंग कम्युनिटी से शानदार प्रतिक्रिया की आशा करते हैं।" स्टाइलिंग कॉन्सेप्ट के तहत, CB750 Hornet और CB1000 Hornet SP दोनों ही शार्प बॉडीवर्क और आक्रामक टैंक श्रूड्स के साथ एक मस्कुलर स्ट्रीटफाइटर डिज़ाइन पेश करते हैं। इनमें एक प्रभावशाली हेडलाइट के साथ ऑल-LED लाइटिंग सिस्टम भी है, जो उनकी सड़क पर शाही उपस्थिति को और निखारता है। CB750 Hornet दो बोल्ड कलर स्कीम — मैट पर्ल ग्लेयर व्हाइट और मैट बैलिस्टिक ब्लैक मेटैलिक — में उपलब्ध होगा। वहीं फ्लैगशिप नेकेड स्ट्रीटफाइटर CB1000 Hornet SP केवल मैट बैलिस्टिक ब्लैक मेटैलिक शेड में मिलेगा, और इसमें गोल्ड एक्सेंट्स जोड़कर इसकी ताकत को एक विशेष टच दिया गया है।

एडवांस्ड हार्डवेयर और हाई-टेक फीचर्स

उच्च प्रदर्शन और मजेदार संचालन के लिए डिज़ाइन की गई ये दोनों स्ट्रीट नेकेड मोटरसाइकिल्स टॉप-टियर हार्डवेयर कंपोनेंट्स से लैस हैं। CB750 Hornet में फ्रंट पर SHOWA SFF-BPTM इनवर्टेड फोर्क और रियर में प्रो-लिंक स्विंगआर्म के साथ मोनोशॉक डैम्पर है, जो विभिन्न प्रकार की सड़कों पर गति की विभिन्न रेंज में उच्च गुणवत्ता वाली सवारी का आराम प्रदान करता है। CB1000 Hornet SP में फ्रंट पर SHOWA SFF-BP इनवर्टेड फोर्क और रियर पर नए HLINS TTX36 का इस्तेमाल किया गया है, जो उच्च गति पर बेहतर संचालन क्षमता प्रदान करता है। ब्रेकिंग का काम CB1000 Hornet SP में 310 मिमी ब्रेम्बो रेडियल-माउंट कैलिपर्स के साथ डुअल फ्रंट डिस्क ब्रेक संभालते हैं, जबकि पीछे 240 मिमी का डिस्क ब्रेक दिया गया है। CB750 Hornet में 296 मिमी के डुअल फ्रंट डिस्क ब्रेक और पीछे 240 मिमी डिस्क ब्रेक है। दोनों मॉडलों में अतिरिक्त सुरक्षा के लिए डुअल-चैनल ABS दिया गया है। ये नेकेड स्ट्रीटफाइटर 5.0 इंच की फुल-कलर TFT डिस्प्ले से लैस हैं, जिसमें होंडा का RoadSync ऐप कनेक्टिविटी मौजूद है, जो नेविगेशन, कॉल अलर्ट और ब्लूटूथ के जरिए म्यूजिक कंट्रोल के लिए स्मार्टफोन से सहज कनेक्शन प्रदान करता है। इसके अलावा, हैंडलबार के बाईं ओर नया प्रकाशित मल्टी-फंक्शनल स्विच दिया गया है, जो विभिन्न सेटिंग्स को सहजता से नियंत्रित करने में मदद करता है।

तेज़ प्रदर्शन और इलेक्ट्रॉनिक सहायता

Honda CB750 Hornet में एक नया विकसित 755cc, 4-स्ट्रोक, 8 वॉल्व, लिक्विड-कूल्ड, इनलाइन 2-सिलेंडर इंजन है, जिसमें 270-डिग्री क्रैंक होता है। यह इंजन 9,500 RPM पर 67.5 kW की पावर और 7,250 RPM पर 75 Nm का पीक टॉर्क प्रदान करता है। फ्लैगशिप CB1000 Hornet SP में 999cc, लिक्विड-कूल्ड, 4-स्ट्रोक, 16 वॉल्व, इनलाइन फोर DOHC इंजन है, जो 11,000 RPM पर 115.6 kW की जबरदस्त पावर और 9,000 RPM पर 107 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। दोनों मोटरसाइकिलें 6-स्पीड गियरबॉक्स से लैस हैं और असिस्ट एवं स्लिपर क्लच भी मिलता है। CB750 Hornet में चार राइडिंग मोड्स हैं – स्पोर्ट, स्टैंडर्ड, रेन, और यूजर। फ्लैगशिप CB1000 Hornet SP में पांच राइडिंग मोड्स मिलते हैं। स्पोर्ट, स्टैंडर्ड और रेन मोड दोनों मॉडलों में समान हैं, जबकि इसमें दो कस्टमाइज़ेबल यूजर मोड्स भी हैं, जो राइडर्स को अपनी पसंद के अनुसार सेटिंग्स बदलने की अनुमति देते हैं। अतिरिक्त राइडर सहायता में होंडा सिलेक्टेबल टॉर्क कंट्रोल शामिल है, जिसे तीन अलग-अलग स्तरों पर समायोजित किया जा सकता है, साथ ही इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल भी है, जो हर सवारी को सुरक्षित बनाता है। CB1000 Hornet SP में एक बाय-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर भी स्टैंडर्ड फीचर के रूप में मिलता है।

कीमत और उपलब्धता

नया 2025 Honda CB750 Hornet की एक्स-शोरूम कीमत 8,59,500 रखी गई है, जबकि फ्लैगशिप CB1000 Hornet SP की कीमत 12,35,900 (एक्स-शोरूम) है। दोनों मोटरसाइकिलों की बुकिंग अब खुल चुकी है और उनकी डिलीवरी जून 2025 से शुरू होगी। इन्हें होंडा बिगविंग इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट (www.HondaBigWing.in) के माध्यम से ऑनलाइन भी बुक किया जा सकता है। CB750 Hornet सभी बिगविंग टॉपलाइन और बिगविंग डीलरशिप्स पर उपलब्ध होगा, जबकि CB1000 Hornet SP भारत में केवल बिगविंग टॉपलाइन डीलरशिप्स के जरिए बेचा जाएगा। प्रदर्शन और स्टाइल में जमीनी विरासत के साथ, नए Hornet बाजार में धूम मचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

शॉर्ट न्यूज

महाप्रचंड गुरू आश्रम पर चल रहे अखंड रामायण पाठ की पूर्णाहुति

इंदौर। ज्योष्ठ कृष्ण एकादशी के अवसर पर महाप्रचंड गुरू आश्रम माली मोहल्लाएमओजी लाइंस का स्थापना दिवस एवं तपोनिष्ठ संत लादूनाथ महाराज के 31वें बरसी महोत्सव में शनिवार को सुबहआश्रम के महंत रामकिशन महाराज के सानिध्य में कल से चल रहे अखंड रामायण पाठ की पूर्णाहुति संपन्न हुई। शाम को मुख्य महोत्सव 5 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें भजन, सत्संग एवं महाप्रसादी जैसे कार्यक्रम होंगे। बड़ी संख्या में मालवा, निमाड़ एवं मारवाड़ अंचल के संत-महंत भी आएंगे। जबकि संत लादूनाथ महाराज के मंदिर में उनकी प्रतिमा का भी आकर्षक श्रृंगार किया गया है।

निशुल्क कृत्रिम अंग शिविर कल 750 से भी ज्यादा हो चुके पंजीयन

इंदौर। शहर में दिव्यांगों के लिए दूसरी बार निःशुल्क कृत्रिम अंग शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर रविवार 25 मई को चोइथराम अस्पताल के पास स्थित गुरु अमरदास बैंक्वेट हॉल में होगा। इसके लिए 750 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। यह निशुल्क दिव्यांगता निवारण ऑपरेशन चयन और लिम्ब मेजरमेंट शिविर सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। इस शिविर का आयोजन नारायण सेवा संस्थान (राजस्थान) द्वारा प्रदेशभर के दिव्यांगों की सेवार्थ किया जा रहा है।

सीएमडी ग्राम्य डॉ. पंकज शुक्ला ने

सीएम को 'समृद्ध ग्राम, समृद्ध भारत' का विजन प्रस्तुत किया

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश – ग्रामीण सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, एसोसिएशन फॉर सस्टेनेबल रूरल एम्पावरमेंट (ASRE) के अध्यक्ष और ग्राम्या के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. पंकज शुक्ला ने माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की और परिवर्तनकारी पहल, समृद्ध ग्राम, समृद्ध भारत (समृद्ध गांव, समृद्ध भारत) पर चर्चा की। मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित यह बैठक व्यापक ग्रामीण विकास के लिए राज्य स्तरीय नीति के साथ जमीनी स्तर के नवाचार को जोड़ने में एक महत्वपूर्ण क्षण था।

डॉ. शुक्ला ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को समृद्ध ग्राम ढांचे के मूल सिद्धांतों के बारे में जानकारी दी और ग्रामीण विकास के लिए इसके समग्र दृष्टिकोण पर जोर दिया। यह पहल आत्मनिर्भर ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए टिकाऊ कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सशक्तिकरण और महिला-नेतृत्व वाली उद्यमिता को एकीकृत करती है। डॉ. शुक्ला ने उन परियोजनाओं की सफलता पर प्रकाश डाला, जहां इस मॉडल ने किसानों की आय में वृद्धि की है, डिजिटल साक्षरता को बढ़ाया है और सरकारी सेवाओं तक पहुंच में सुधार किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मौजूदा सरकारी योजनाओं के पूरक और उनके प्रभाव को बढ़ाने के लिए समृद्ध ग्राम मॉडल की क्षमता को स्वीकार किया। सीएम डॉ. यादव ने ऐसी पहलों को आगे बढ़ाने में सार्वजनिक-निजी भागीदारी के महत्व पर जोर दिया और उनकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक नीतिगत समर्थन की सुविधा के लिए प्रतिबद्धता जताई। डॉ. शुक्ला ने आत्मनिर्भर और समृद्ध ग्रामीण मध्य प्रदेश के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा, 'हमारे राष्ट्र का भविष्य इसके गांवों के सशक्तीकरण में निहित है। सहयोगात्मक प्रयासों और समृद्ध ग्राम जैसे अभिनव मॉडलों के माध्यम से हम सतत विकास और समान वृद्धि हासिल कर सकते हैं।'

मिलिए सान्वी राय से जिन्होंने सिर्फ़ 14 साल की उम्र में लिख डाली अपनी पहली किताब!

भोपाल। महज़ 14 साल की उम्र में, बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल, दानापुर की कक्षा 9 की छात्रा सान्वी राय ने वो कर दिखाया है, जो अक्सर लोग बड़े होने पर भी सोच नहीं पाते। उन्होंने अपनी पहली किताब "Power: Beginner's Guide to Recognition and Resistance" लिखी और प्रकाशित की है। यही नहीं, इस किताब का आकर्षक कवर भी खुद सान्वी ने डिज़ाइन किया है। यह किताब एक सरल लेकिन प्रभावशाली गाइड है, जो पाठकों को यह समझने में मदद करती है कि 'पावर' हमारे रोज़मर्रा के जीवन में कैसे काम करता है। यह कैसे हमें प्रभावित करता है, हम इसे कैसे पहचान सकते हैं और इसका सामना कर सकते हैं। सान्वी ने एक जटिल विषय को बेहद आसान और बच्चों के लिए समझने योग्य भाषा में ढाला है। सान्वी राय बताती हैं,'इस किताब को लिखना आसान नहीं था। मुझे इस विषय को अच्छे से समझने में 4 से 5 साल लग गए। सबसे मुश्किल काम था अपने विचारों को आसान शब्दों में ढालना, लेकिन मेरे टीचर्स, दोस्तों और बिरला ओपन माइंड्स स्कूल के सहयोग से मैं यह कर पाई। यह किताब मेरे द्वारा सीखी गई बातों को सबके साथ बाँटने का एक तरीका है।' इस खास उपलब्धि पर बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल, दानापुर के प्राचार्य पलजिंदर पाल सिंह ने कहा,'जब इस उम्र में ज़्यादातर बच्चे किताबों से सीख रहे होते हैं, तब सान्वी जैसी छात्रा खुद एक किताब लिख रही है, यह वाकई प्रेरणादायक है। ऐसे विद्यार्थी हमें हमारा उद्देश्य याद दिलाते हैं और यह भरोसा देते हैं कि हम सही दिशा में काम कर रहे हैं। सान्वी की उपलब्धि पूरे स्कूल के लिए गर्व की बात है।' सान्वी का सपना है कि वह आगे चलकर एक उद्यमी (Entrepreneur) और राजनीतिज्ञ (Politician) बने और उनका मानना है कि यह किताब लिखना जागरूकता और बदलाव लाने की दिशा में पहला कदम है। सान्वी राय की यह शुरुआत न सिर्फ़ उनके लिए, बल्कि देश के हर युवा के लिए एक प्रेरणा है क्योंकि जब इरादे मजबूत हों, तो उम्र सिर्फ़ एक संख्या बनकर रह जाती है।

हरित शपथ के साथ जन-जागरूकता गतिविधियों का शुभारंभ

भोपाल मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान की शुरुआत

संवाददाता ● भोपाल

मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान 2025 (22 मई से 5 जून) के अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर पर्यावरण संरक्षण हेतु जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष का अभियान केवल एक दिन तक सीमित न होकर एक विस्तारित कालखंड में क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसमें चरणबद्ध रूप से जागरूकता, संवाद, और व्यवहार परिवर्तन पर केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। भोपाल स्थित मंडल रेल कार्यालय प्रांगण में एक विशेष आयोजन के तहत अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री योगेन्द्र बघेल दारा सभी रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को "हरित शपथ" दिलाई गई। उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि वे पर्यावरण को स्वच्छ और हरित बनाए रखने में सक्रिय योगदान देंगे। कार्यक्रम में पेड़ लगाने, जल संरक्षण, विद्युत ऊर्जा के विवेकपूर्ण उपयोग और प्लास्टिक के प्रयोग को न्यूनतम करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बल दिया गया।

इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी, विभिन्न शाखाओं के अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने अभियान के उद्देश्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई।

इसके अतिरिक्त, मंडल रेल चिकित्सालय भोपाल में भी पर्यावरण जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। चिकित्सालय कर्मचारियों के बीच पोस्टर एवं पंपलेट के माध्यम से पर्यावरणीय मुद्दों पर जानकारी साझा की गई। प्लास्टिक कचरे की समस्या, उसके समाधान और पुनः उपयोग की संभावनाओं पर केंद्रित संगोष्ठी में कर्मचारियों को स्टील या पुनर्चक्रित प्लास्टिक से बने लंच बॉक्स एवं पानी की बोतलों का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। बाह्य रोगी विभाग परिसर में जनसामान्य के लिए प्लास्टिक प्रदूषण के विकल्पों पर जागरूकता संदेश प्रसारित किए गए, जिससे आम लोगों को भी इस अभियान से जोड़कर व्यापक प्रभाव सुनिश्चित किया जा सके। भोपाल मंडल द्वारा शुरू किया गया यह अभियान आगामी दिनों में भी विभिन्न रेल परिसरों एवं रेलवे कॉलोनियों में पौधारोपण, स्वच्छता अभियान, संवाद सत्र एवं अन्य सहभागी गतिविधियों के माध्यम से जारी रहेगा, जिससे "स्वच्छ, हरित और जिम्मेदार रेल मंडल" की परिकल्पना को साकार किया जा सके।

तेज़ी से शहरी विकास की वजह से कार्बन को सोखने की क्षमता में 34 प्रतिशत की कमी आई है

MIT वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता ने पाया कि

संवाददाता ● नई दिल्ली

पुणे ने बीते दस सालों में अपनी कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन क्षमता में 34 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है, जो मुख्य रूप से तेज़ी से शहरी विकास की वजह से हुआ है। हाल ही में MIT-वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (MIT-WPU) के डॉ. पंकज कोपार्डे तथा सस्टेना ग्रीन्स एलएलपी की प्रतीक्षा चालके द्वारा साथ मिलकर की गई एक स्टडी के नतीजे में शहर की कार्बन डाइऑक्साइड (CO) नामक एक प्रमुख ग्रीनहाउस गैस को सोखने की क्षमता में इतनी बड़ी गिरावट की बात सामने आई है। 'लूजिंग द कार्बन गेम? चेंजिंग फेस ऑफ ए ट्रॉपिकल स्मार्ट मेट्रो सिटी एंड इट्स रेपरकशंस ऑन कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन, हीट एंड फ्लड मिटिगेशन कैपेसिटी' नाम से यह रिसर्च सस्टेनेबल फ्यूचर्स जर्नल में प्रकाशित की गई थी। साल 2013 से 2022 के बीच, पुणे में नई इमारतों के निर्माण वाले क्षेत्रों में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जिससे हरे-भरे इलाके में काफी कमी आई। इस तरह के शहरी विकास की वजह से न केवल शहर की कार्बन को सोखने की क्षमता में जबरदस्त कमी आई है, बल्कि इसकी बाढ़ से बचाव की क्षमता भी पहले की तुलना में 13% तक घट गई है। ऐसा मुख्य रूप से पानी की निकासी की कुदरती व्यवस्था में रुकावट के साथ-साथ नदियों के किनारे तथा बाढ़ के मैदानों पर अनियंत्रित तरीके से इमारतों के निर्माण की वजह से हुआ है। इसके साथ-साथ शहर के लैंडस्केप में लगातार हो रहे बदलावों से यहां बाढ़ के खतरे की संभावना बढ़ गई है, जो पुणे के तेजी से बदलते मानसूनी पैटर्न को देखते हुए एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है।

यह स्टडी पुणे के कुदरती इलाकों, यानी यहां की पहाड़ियों, नदियों और वेटलैंड्स को बचाए रखने की अहमियत उजागर करती है, जो पारंपरिक रूप से कार्बन एमिशन, गर्मी और बाढ़ को कम करने वाले

कुदरती सुरक्षा कवच की तरह काम करते रहे हैं। डॉ. पंकज कोपार्डे ने ज़ोर देते हुए कहा किः 'हमारी स्टडी के नतीजे बताते हैं कि, पर्यावरण को बेहतर बनाए रखने में शहरी पहाड़ियों और वेटलैंड्स जैसी जियोलॉजिकल एवं इकोलॉजिकल फीचर्स की भूमिका बेहद अहम है, जिनकी जगह कोई नहीं ले सकता। पुणे जैसे ट्रॉपिकल मेट्रो सिटी का लगातार विस्तार हो रहा है, और ऐसे माहौल में इन स्थानीय संपदाओं को नुकसान पहुँचाने के बजाय उनका सही तरीके से उपयोग करके ही सस्टेनेबल डेवलपमेंट हासिल किया जा सकता है।'

उन्होंने आगे कहाः 'हम शहरी पहाड़ियों, वेटलैंड्स और नदी किनारे के हरे-भरे इलाकों की हिफाजत करने और उन्हें फिर से पहले जैसा बनाने के साथ-साथ पॉलिसी बनाकर इस दिशा में तुरंत कार्रवाई करने की हिमायत करते हैं। आने वाले समय में इकोलॉजी को ध्यान में रखकर और डेटा पर आधारित संतुलित विकास के लिए, इकोसिस्टम सर्विस वैल्यूएशन मॉडल तथा इंटीग्रेटेड अर्बन प्लानिंग फ्रेमवर्क जैसे टूल्स को अपनाया जाना चाहिए।"

MIT-वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर, डॉ. आर. एम. चिटनिस ने इस रिसर्च के बारे में अपनी राय जाहिर करते हुए कहा, 'ये स्टडी बेहद महत्वपूर्ण है, जो MIT-वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी की ऐसी चीजों पर रिसर्च करने के अटल इरादे को दर्शाती है, जो सीधे तौर पर समाज को नई जानकारी देने वाली और उन पर असर डालने वाली हो। पुणे शहर की कार्बन को सोखने की क्षमता में कमी के बारे में हमारी स्टडी के नतीजे सिर्फ चिंताजनक नहीं हैं— बल्कि वे भारत में तेजी से विकसित हो रहे सभी शहरों के लिए एक चेतावनी हैं। शिक्षक और थॉट लीडर्स होने के नाते, हम मानते हैं कि पॉलिसी बनाने में विज्ञान का सहारा लिया जाना चाहिए, और हर तरह के विकास में सस्टेनेबिलिटी को सबसे ज्यादा अहमियत दी जानी चाहिए।

इसलिए अर्बन प्लानिंग में प्रगति के साथ-साथ इकोलॉजी की हिफाजत को भी प्राथमिकता देना बहुत जरूरी है।' यह रिसर्च ऐसे नाज़ुक समय पर आया है, जब पूरे भारत और ग्लोबल साउथ के शहर क्लाइमेट चेंज के साथ-साथ शहरों के विस्तार की वजह से बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। तापमान में बढ़ोतरी, अनियमित बारिश और बार-बार बेहद खराब मौसम की घटनाओं को देखते हुए, पुणे का ये अनुभव तेजी से विकसित हो रहे उन सभी शहरों के लिए एक मूल्यवान अध्ययन है, जो विकास और एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी के बीच तालमेल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

राइज़िंग नोर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट

वेदांता ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में रु 80,000 करोड़ के निवेश की घोषणा

संवाददाता ● नई दिल्ली

भारत की एकमात्र और दुनिया की अग्रणी महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा रूपान्तरण, धातु, विद्युत, तेल एवं गैस और टेक्नोलॉजी कंपनी वेदांता ग्रुप ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में रु 80,000 करोड़ के निवेश की घोषणा की है। नई दिल्ली में उत्तरपूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित विश्वस्तरीय निवेश सम्मेलन- राइज़िंग नोर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 के उद्घाटन सत्र के दौरान यह घोषणा की गई। यह निवेश छह उत्तर-पूर्वी राज्यों में महत्वपूर्ण खनिज, रिफाइनिंग सुविधाओं, ऊर्जा, विद्युत संचरण एवं टेक्नोलॉजी सेक्टरों में किया जाएगा। वेदांता, के माध्यम से उत्तरपूर्व में हाइड्रोकार्बन्स की क्षमता के सदुपयोग के लिए सबसे बड़े अन्वेषण एवं विकास प्रोग्रामों में से एक में हिस्सा ले रही है। इसी साल कंपनी ने अडवांटेज असम 2.0 सम्मेलन के दौरान असम में रु 50,000 करोड़ के निवेश की घोषणा की थी।

दीक्षांत परेड... मैं प्रतिज्ञा करता हूं...

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एरोड्रम रोड स्थित ट्रेनिंग सेंटर में नवआरक्षकों की दीक्षांत परेड हुई। नवआरक्षकों ने बीएसएफ के महानिरीक्षक आलोक कुमार सिंह को परेड की सलामी दी। नवआरक्षकों को इस दौरान कर्तव्य पथ पर अग्रसर होने की शपथ भी दिलवाई गई।

शॉट न्यूज

ब्लैकमेल कर करता रहा दुष्कर्म

इंदौर। बाणगंगा इलाके में पड़ोसी द्वारा युवती से दोस्ती के बाद शारिरिक संबंध बनाए गए। इस दौरान आपत्तिजनक फोटो ले लिए गए। बाद में इन फ़ोटो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करते हुए वह दुष्कर्म करता रहा।आखिरकार परेशान युवती ने अब पुलिस की शरण लेते हुए शिकायत दर्ज करवाई हैं। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक 25 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर कुशवाह नगर निवासी आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया हैं। पुलिस को दर्ज शिकायत में पीड़िता ने बताया कि आरोपी से हमारी जान पहचान थी जिससे हम दोनों की मोबाइल पर बातचीत, वाटसअप पर चेटिंग होती थी।

चैटिंग का मना करने पर पति ने कर दी पिटाई

इंदौर। द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में महिला की शिकायत पर पुलिस ने पति के खिलाफ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में केस दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी काजल 29 साल निवासी शांतिनाथ पुरी कॉलोनी की रिपोर्ट पर पति सुनील के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी काजल ने बताया कि मेरा पति पूजा कुशवाहा नामक महिला से चैटिंग कर रहा था। जिसका मैंने विरोध किया तो पति ने गालियां दी और फिर डंडे से मारपीट की जिसके कारण शरीर में कई जगह चोट आई हैं। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

बिजली कंपनी की लापरवाही से फैला करंट

इंदौर। शहर सीमा से लगे ग्राम नैनोद में विद्युत पोल के सपोर्टिंग वायर में करंट फैलने से एक गाय और बछड़े की मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने बिजली कंपनी अधिकारियों से शिकायत की और कहा कि करंट को तत्काल बंद करें, अन्यथा कोई बड़ी घटना हो सकती है। किसान गोकुल सिंह पटेल की गाय और भैंस के 3 साल के बछड़े की मौत सुबह 9 बजे हुई। बिजली कंपनी कर्मचारी 9:30 बजे पहुंच चुके थे, लेकिन शाम को 5:30 बजे तक विद्युत मंडल का कोई अधिकारी कर्मचारी विद्युत पोल के सपोर्टिंग वायर से करंट बंद नहीं कर पाया। बिजली कंपनी अधिकारियों की इस लापरवाही से ग्रामीणों में भयंकर आक्रोश है।

सॉलिसिटर तुषार मेहता ने की मांग, अगली सुनवाई 26 को होगी

हाईकोर्ट NEET UG रिजल्ट मामले की जांच कराने के लिए कमेटी बनाए

संवाददाता ● इंदौर

सुनवाई

NEET UG रिजल्ट मामले में हाई कोर्ट में NTA की ओर से सॉलिसिटर तुषार मेहता वर्चुअल उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि इंदौर से जुड़े 24 सेंटरों के प्रभावित स्टूडेंट्स के लिए एक कमेटी गठित की जाए। कमेटी प्रभावित स्टूडेंट की व्यथा सुने और संबंधित स्टूडेंट का एग्जाम फिर से लेने या अन्य विकल्प देने का निर्णय ले। मामले में हाई कोर्ट ने 26 मई को अगली सुनवाई तय की है। बिजली गुल होने के कारण इंदौर के 25 एग्जाम सेंटर पर स्टूडेंट ठीक से पेपर हल नहीं कर पाए थे। याचिकाकर्ताओं के एडवोकेट मृदुल भटनागर ने बताया कि नीट यूजी मामले में उज्जैन के स्टूडेंट्स की याचिकाओं पर भी सुनवाई हुई है। इंदौर में दो घंटे तक लाइट गुल रही थी। जबकि उज्जैन में 40 से 45 मिनट तक बिजली बाधित हुई थी। यह बहुत बड़ा मामला है। इंदौर और उज्जैन के करीब 60 याचिकाकर्ता हैं। अभी और छात्र भी याचिका दायर करने की तैयारी में हैं।

NTA ने माना 10 मिनट से 1.10 घंटे तक बिजली बाधित रही – नीट मामले में 13 याचिकाओं पर सुनवाई होना थी। भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की जवाब दिया। दोबारा परीक्षा की मांग पर उन्होंने कहा कि 24 सेंटर प्रभावित हुए हैं। हमने हाई कोर्ट से मांग की है कि इन सेंटर में से जो बच्चे चाहें उन्हें दोबारा मौका दिया जाए। जिससे छात्रों को सही मौका मिल पाए और वे अपनी क्षमता का परिचय दे सकें। एनटीए की ओर से जवाब देते हुए मेहता ने बताया कि हमने बहुत ही अच्छे ढंग से शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा का आयोजन किया है। इस पर सवाल उठाते हुए याचिकाकर्ताओं के वकील मृदुल भटनागर ने कहा कि ये परीक्षा साधारण परीक्षा नहीं है, इसमें अनकट पॉवर स्पलाई देना थी, उसमें ये फेल हुए हैं। एनटीए ने अपने जवाब में ये बात मानी भी है कि कई सेंटर पर 10 मिनट से 1 घंटे 10 मिनट तक बिजली आपूर्ति बाधित रही है। एनटी ने यह भी कहा कि हम एक कमेटी बनाकर ये निर्णय लेंगे कि हमें दोबारा परीक्षा कराना है या नहीं कराना है। आगे की पूरी प्रक्रिया कमेटी तय करेगी। इसके लिए एनटीए ने 26 मई तक का समय मांगा है।

पिछली सुनवाई में NTA ने पेश किया था जवाब – पिछली सुनवाई में एनटीए ने जवाब में बताया था कि हमने बहुत शांतिपूर्ण वातावरण और बिना किसी असुविधा के एग्जाम कराया था। साथ ही यह माना कि एग्जाम के दौरान कई सेंटर पर 10 मिनट से एक घंटे तक लाइट नहीं थी। वहां हमने कैंडल और जनरेटर के माध्यम से लाइट की व्यवस्था की थी। चूंकि समर सीजन में परीक्षा आयोजित हुई थी। पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था थी इसलिए कोई असुविधा नहीं हुई जबकि याचिकाकर्ताओं के एडवोकेट भटनागर का कहना है कि ऐसे करीब 25 सेंटर ऐसे हैं जहां पर बच्चों के एग्जाम प्रभावित हुआ है।

तब NTA की यह थी दलील – इस मामले में 16 मई को हुई सुनवाई में एनटीए की ओर से जवाब देने के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे। उन्होंने हाईकोर्ट के समक्ष एनटीए का पक्ष रखते हुए कहा था कि यदि पूरा रिजल्ट रोका गया तो सैकड़ों छात्र प्रभावित होंगे। बिजली गुल होने से प्रभावित 11 सेंटर की रिपोर्ट पर 2 दिन में जवाब पेश कर देंगे। तब हाईकोर्ट ने एनटीए, बिजली कंपनी और परीक्षा केंद्र को नोटिस जारी किए थे। इन सभी को 30 जून तक जवाब पेश करना होगा। 4 मई को मध्यप्रदेश के 30 शहरों में हुई इस परीक्षा में करीब ढाई लाख छात्र शामिल हुए थे।

पिछली सुनवाई में हाई कोर्ट ने लगा दी थी रोक

पिछली सुनवाई में NTA ने हाई कोर्ट में जवाब पेश किया था। कोर्ट ने NEET UG के रिजल्ट पर रोक लगा दी थी। मामले में 25 से ज्यादा सेंटरों से जुड़े स्टूडेंट्स प्रभावित हुए हैं। जिनकी संख्या अब 50 से ज्यादा हो गई है। इनकी मांग है कि रिएक्जाम कराई जाए। याचिकाकर्ता के एडवोकेट मृदुल भटनागर ने बताया कि याचिकाकर्ता पीड़ित स्टूडेंट्स काफी ज्यादा हैं। सभी ने अपनी परेशानियां बताई कि लाइट गुल होने पर कैसे उनके प्रश्नपत्र बिगड़े। उज्जैन में भी ऐसी स्थिति बनी थी। वहां के भी 5 से ज्यादा स्टूडेंट्स हैं। ऐसे में आज हाई कोर्ट में रिज्वाइंडर पेश करने के लिए समय मांगा जाएगा। इसके साथ ही मांग की जाएगी कि जिन 25 सेंटरों के स्टूडेंट्स की परीक्षा प्रभावित हुई है उनकी रिएक्जाम कराई जाए ताकि उनका भविष्य खराब न हो। इन स्टूडेंट्स ने काफी मेहनत की है। इनमें से कई तीन-चार अटेम्ट वाले हैं।

पेपर तक नहीं पढ़ पा रहे थे, ऐसे में जलाना पड़ी थी मोमबत्ती

बिजली गुल होने की वजह से कई छात्रों को मोमबत्ती और मोबाइल टॉर्च की रोशनी में पेपर देना पड़ा। घना अंधेरा होने के कारण बहुत से छात्र प्रश्नपत्र तक ठीक से पढ़ नहीं पाए। परीक्षा के बाद कई छात्र रोते हुए बाहर निकले। प्रभावित अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने पूरी मेहनत से तैयारी की थी, लेकिन खराब व्यवस्था ने उनका भविष्य संकट में डाल दिया। इंदौर के जिन 11 सेंटरों में बिजली गुल हुई, वहां करीब 600 छात्रों की परीक्षा सीधे तौर पर प्रभावित हुई। यह पहला मौका था जब NTA ने शहर के सरकारी स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए थे। यहां पॉवर बैकअप का कोई इंतजाम नहीं था। दूसरी परेशानी यह भी है कि नीट के अलावा मेडिकल, नर्सिंग, वेटरनरी, होम्योपैथी, आयुर्वेदिक कॉलेजों में एडमिशन का विकल्प नहीं है।

उज्जैन में भी बिजली गुल होने पर हुआ था हंगामा

उज्जैन के शासकीय माधव महाविद्यालय में नीट यूजी परीक्षा के दौरान बिजली गुल हो गई थी। इसके बाद छात्रों और अभिभावकों ने हंगामा किया। रूम नंबर-212 के परीक्षार्थियों का आरोप था कि लाइट जाने के बाद अन्य कमरों में तो अतिरिक्त समय दिया गया, लेकिन उन्हें कोई अतिरिक्त समय नहीं मिला, जबकि उनका पेपर भी देरी से शुरू हुआ था। अब मामले में उज्जैन के भी 5 से ज्यादा पीड़ित स्टूडेंट्स हैं जिन्होंने याचिकाएं लगाई हैं।

पर्यावरण प्रेमी इंदौरी पहुंचने लगे पिकनिक स्पॉट

फ्री मानसून एक्टिविटी के कारण इंदौर के आसपास के क्षेत्र में छाने लगी हरियाली

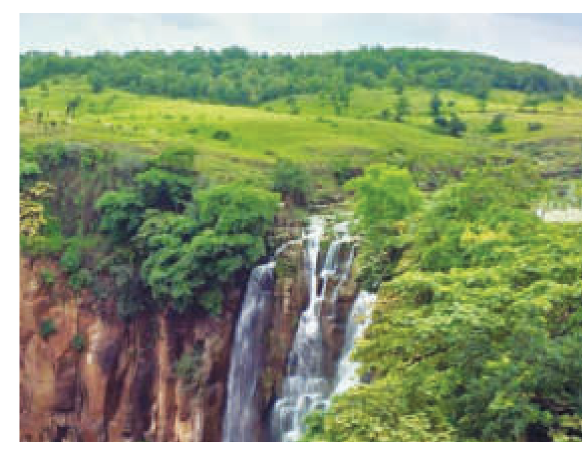

संवाददाता ● इंदौर

पर्यटन

मई का महीना समाप्त होने को है। सोमवार से रोहिणी तपना भी शुरू हो जाएगी। हालांकि इसके पूर्व ही करीब एक पखवाड़े से आंधी और बारिश का दौर जारी है। बारिश होने के कारण शहर के पास पड़ोस के पिकनिक स्पॉट पर हलचल बढ़ गई है। इसका कारण यह है कि पिकनिक स्पॉटों पर हरियाली चने के साथ ही कल कल बहाने वाले झरने भी अपना रंग दिखाने की तैयारी में है। ऐसे में पर्यावरण प्रेमी इंदौरी अभी से ही तिंछाफाल, पातालपानी और शहर के आसपास के अन्य पिकनिक स्पॉटों पर जमा होना शुरू हो गए हैं। खास तौर पर वीक एंड अर्थात शनिवार और रविवार को पिकनिक स्पॉट पर अच्छी भीड़ होने लगी है।

जानकारी अनुसार इंदौर जिले में और आसपास के क्षेत्र में पातालपानी, तिंछा फॉल, मोहाड़ी, कजलीगढ़ और हत्यारी खो जैसे स्थान प्रमुख हैं। हालांकि इन स्थलों की सुंदरता के पीछे एक खतरनाक पहलू भी छिपा है- यहां पर सुरक्षा की अनदेखी।प्री-मानसून की पहली बारिश के साथ ही इन इलाकों में छोटे-बड़े झरने बहने लग जाते हैं। झरनों की कलकल करती आवाज और हरियाली के बीच लोग प्रकृति का आनंद लेने पहुंचते हैं, लेकिन अक्सर सुरक्षा नियमों की अनदेखी उनके लिए जानलेवा साबित होती है। इधर, डीआईजी ग्रामीण निमिष अग्रवाल ने इस गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के खतरनाक पिकनिक स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती करें। विशेषकर शनिवार और रविवार जैसे वीकेंड पर इन स्थानों की मॉनिटरिंग सुबह से शाम तक अनिवार्य रूप से की जाए। पुलिस और ग्राम रक्षा समिति की संयुक्त रणनीति- पुलिस प्रशासन ने न केवल थानों को सतर्क किया है, बल्कि ग्राम रक्षा समिति को भी इस कार्य में सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया है।

खतरनाक जगह पर सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं करें लोग

पुलिस अधिकारियों ने ग्राम रक्षा समिति के 100 से अधिक सदस्यों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पिकनिक मनाने आए युवाओं के ग्रुप्स को पहले समझाएं और यदि वे चेतावनी को नजरअंदाज करते हैं, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। ग्राम रक्षा समिति के सदस्य स्थानीय रहवासी होते हैं, जिन्हें इलाके की भौगोलिक और पर्यावरणीय जानकारी होती है। वे अक्सर ऐसे स्थानों को बेहतर तरीके से पहचानते हैं। जहां फिसलन या जलप्रवाह के कारण जान का खतरा अधिक होता है। इंदौर के पिकनिक स्पॉट्स पर हर साल कई घटनाएं सामने आती हैं, जिनमें लोग जान गंवा बैठते हैं।

ओंकारेश्वर में एकात्म धाम के बाद अब अद्वैत लोक

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर से 70 किलोमीटर दूर ओंकारेश्वर में आकार ले रहे अद्वैत लोक में शंकराचार्य की मूर्ति तो स्थापित हो चुकी है, लेकिन अब प्रोजेक्ट को पूरी तरह मूर्त रुप देने के लिए सरकार दो हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके लिए हाल ही में कैबिनेट बैठक में मंजूरी भी मिल चुकी है। वहां फोर डी गैलरी, लेजर शो, अद्वैत घाट पर बोटिंग, संग्रहाल सहित कई काम होंगे। सरकार की मंशा है कि इससे धार्मिक पर्यटन और बढ़ेगा। योजना के पहले चरण में नर्मदा घाट के किनारे एकात्मधाम में 108 फीट ऊंची शंकराचार्य की मूर्ति लगाई जा चुकी है। अब दूसरे चरण में नर्मदा के घाटों पर सनातन की परंपरा को मूर्तियों से दशार्या जाएंगे। घाटों पर भगवान सदाशिव, वेदव्यास सहित अन्य संतों की प्रतिमा लगेगी। इस घाट विशेष घाट का अवलोकन एक समय में एक नौका में डेढ़ सौ से ज्यादा पर्यटक ले सकेंगे। इसके अलावा एक इनडोर लाइट एंड साउंड शो भी रहेगा। उसमें मूर्तियां व भरपूर लाइट व साउंड इफेक्ट होंगे। वाटर शो भी होगा। ओंकारेश्वर में एक कलाग्राम भी तैयार होगा। जहां मध्य प्रदेश के अलावा देश भर की कला और शिल्पों को प्रदर्शन होंगा और विक्रय केंद्र भी बनेंगे। 700 लोगों की क्षमता का एक हॉल भी बनेगा। जिसे अन्नपूर्णा परिसर का नाम दिया जाएगा। जहां भक्तों को भोजन मिल सकेगा। यहां एकात्मधाम के प्रसाद वितरण की अलग से व्यवस्था रहेगी।

गर्मी के मौसम में भी नगर निगम ने नहीं जारी की कोई पूर्व सूचना

आज फिर शहर में जल संकट, डेढ़ दर्जन से अधिक टंकियां खाली

संवाददाता ● इंदौर

जल संकट

नर्मदा प्रोजेक्ट के पंप बंद किए जाने के कारण शहर आज फिर भीषण जलसंकट की चपेट में है। बताया जा रहा है कि फर्स्ट और सेकंड फेस के पंप गुरुवार सुबह से शाम तक बंद रहे। इस कारण इंदौर पानी नहीं पहुंच सका। पानी नहीं पहुंचने के कारण शहर के पश्चिम क्षेत्र की डेढ़ दर्जन से अधिक टंकियां खाली रह गई।

इस कारण नलों से नर्मदा के पानी की सप्लाई नहीं हो सकी। लोग सुबह से ही इंतजार करते रहे लेकिन नलों से पानी नहीं सप्लाई किया जा सका। निराश होकर लोगों ने अन्य वैकल्पिक स्त्रोतों से पानी की व्यवस्था की। जानकारी अनुसार गुरुवार दिनभर नर्मदा प्रोजेक्ट के प्रथम और द्वितीय चरण के पंप बंद रहे। बताया जा रहा है कि बीपी टैंक के पास लीकेज सुधार के लिए शटडाउन किया गया। यहां पंप गृह क्रमांक-01 पर 185 एमएम केबल के 02 फीडर को कम्पाउडिंग का कार्य किए जाने, के.वी. ग्रिड के आसपास पेड़ों की कटिंग का कार्य किए जाने और साथ ही लाईटिंग अरेस्टर बदलने का कार्य करने, पंप गृह क्रमांक-02 पर पुरानी बेट्रियों का सुधार कार्य कर नए अन्य रूम में स्थापित करने के साथ साफ्ट स्टार्टर, बेट्रियों के लिए अलग से संचालन के लिए एमसीबी बनाने सहित अन्य कार्य किए गए। इस कारण पश्चिम क्षेत्र की डेढ़ दर्जन से अधिक टंकियों तक पानी की आपूर्ति नहीं हो सकी। हालांकि पानी की समस्या को लेकर नगर निगम द्वारा लोगों को आपूर्ति के लिए किसी प्रकार की कोई वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं की गई है। लोग परेशान होते रहे और पास पड़ोस के बोरिंग और अन्य साधनों से पानी की व्यवस्था की।

भीषण गर्मी में लगातार दूसरी बार जल संकट

इस वर्ष इस भीषण गर्मी के मौसम में लगातार दूसरी बार जल संकट की स्थिति बनी है। इसके पूर्व हाल ही में कुछ समय पूर्व तक करीब एक सप्ताह नलों से नर्मदा का पानी सप्लाई नहीं किया जा सका। इस कारण लोगों को भीषण जल संकट का सामना करना पड़ रहा था।

ये टंकियां रहीं खाली

अन्नपूर्णा, स्कीम न 103, छत्रीबाग़, भक्त प्रहलाद नगर , राज मोहल्ला, जिंसी हाट मैदान, लोकमान्य नगर, द्रविड़ नगर, महाराणा प्रताप नगर, नरवल, अगरबत्ती नगर, कुशवाह मोहल्ला, जय हिंद नगर, बाणगंगा, टिगरिया बादशाह, सुभाष चौक, मल्हार आश्रम, सदर बाजार, गांधी हॉल।

छात्रों को एआई टूल्स से चीटिंग करने से कैसे रोकें?

मैं एक ऐसी महिला को जानता हूं जो लैटर लिखने का काम करती थीं। इससे वो अच्छा कमा लेती थीं। वो आईवी कॉलेजों (हॉर्वर्ड, ऑक्सफोर्ड जैसे प्रतिष्ठित कॉलेज) में दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों के लिए ह्यलेटर ऑफ पर्पसह्ल (एलओपी) लिखती थीं। वो उनमें से थी, जिनके पास दोस्तों तक के फोन उठाने का वक्त नहीं होता था, खासकर भारत में हाई स्कूल के रिजल्ट के बाद। उनका रिकॉर्ड था कि उनके किसी भी स्टूडेंट का आईवी कॉलेज में आवेदन निरस्त नहीं हुआ। वो छात्रों का व्यक्तिगत साक्षात्कार करतीं, उन्हें समझतीं, फिर एलओपी तैयार करतीं।

इसके अलावा, छात्रों को दो घंटे की व्यक्तिगत कोचिंग देतीं कि इंटरव्यू में कैसे पेश आएं, संभावित सवाल क्या हो सकते हैं। असल इंटरव्यू से चंद घंटे पहले पर्सनल कोचिंग फिर दोहराती। ताज्जुब की बात नहीं कि उनकी फीस भी बहुत थी। दरअसल, जो भी स्टूडेंट दुनिया के अच्छे कॉलेजों में दाखिला लेना चाहते हैं, उन्हें दमदार एलओपी जमा करना होता है, उसके आधार पर कॉलेज एडमिशन तय करता है। पर 2025 में वो बेरोजगार हो गईं! कल रात एक डिनर पर मेरी उनसे मुलाकात हुई और उन्होंने इस बारे में बताया।

जब मैंने आश्चर्य व्यक्त किया, तो उन्होंने फीकी हंसी में कहा, ह्लओपनआई के चैटजीपीटी ने मेरी नौकरी छीन ली है। साल 2022 के नवंबर से इसने धीरे-धीरे मेरी नौकरी छीनना शुरू कर दिया, लेकिन मैंने तब इस पर ध्यान नहीं दिया। और अब 2025 में, मेरे पास छात्र नहीं आ रहे। अब केवल वही छात्र आते हैं, जिन्हें कॉलेजों ने खारिज कर दिया है और मुझे उन्हीं स्टूडेंट्स को किसी अन्य यूनिवर्सिटी में दाखिला दिलाने के लिए दोगुनी मेहनत करके प्रशिक्षित करना पड़ रहा है। उनके साथ हुई बातचीत ने मुझे कई कॉलेज के प्रोफेसरों के साथ हुई चर्चाएं याद दिला दी। उन प्रोफेसर्स ने ये माना कि तकनीक से छेड़खानी के मामले में उम्रदराज प्रोफेसर छात्रों से एक कदम पीछे रहते हैं। उनका कहना है कि ह्लनिबंध लेखन, होमवर्क, प्रोजेक्ट रिपोर्ट और पीपीटी में भी चीटिंग का पता लगाना मुश्किल होता है।

यहां तक कि छात्रों के आर्टफिशियल तरीके से तैयार कंटेंट को टूल्स का इस्तेमाल करके भी पहचानना मुश्किल हो रहा है। प्रोफेसर्स दुखी होकर कहते हैं, जब स्टूडेंट्स अपना मुंह खोलते हैं और अंग्रेजी में बात करते हैं, जो कि पहले ही वह अपने प्रोजेक्ट में लिख चुके हैं, तब जाकर हमें पता चलता है कि प्रोजेक्ट में इस्तेमाल कंटेंट टेक्नोलॉजी की मदद से कॉपी किया गया है।

इस बीच के एक सर्वे से पता चला है कि 89% कॉलेज छात्र असाइनमेंट पूरा करने के लिए चैटजीपीटी का उपयोग कर रहे हैं। इस तकनीक का उपयोग करने वाले छात्रों की इतनी बड़ी संख्या के बावजूद, उनमें से 72% कहते हैं कि वे नकल पर आधारित शिक्षा नहीं चाहते। वे चाहते हैं कि चैटजीपीटी को कैंपस में बैन किया जाए। तो, क्या किया जा सकता है? कई विशेषज्ञों ने कई सुझाव दिए हैं, लेकिन शीर्ष पांच बिंदु हैं: 1. उन शैक्षणिक तरीकों की ओर लौटें, जो सदियों से शिक्षकों का साथ देते आ रहे हैं।

इस बीच के एक सर्वे से पता चला है कि 89% कॉलेज छात्र असाइनमेंट पूरा करने के लिए चैटजीपीटी का उपयोग कर रहे हैं। इस तकनीक का उपयोग करने वाले छात्रों की इतनी बड़ी संख्या के बावजूद, उनमें से 72% कहते हैं कि वे नकल पर आधारित शिक्षा नहीं चाहते। वे चाहते हैं कि चैटजीपीटी को कैंपस में बैन किया जाए। तो, क्या किया जा सकता है? कई विशेषज्ञों ने कई सुझाव दिए हैं, लेकिन शीर्ष पांच बिंदु हैं: 1. उन शैक्षणिक तरीकों की ओर लौटें, जो सदियों से शिक्षकों का साथ देते आ रहे हैं। 2. विश्वविद्यालयों को मूल्यांकन के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

3. प्रोफेसर्स को कक्षाओं में बातचीत का कल्चर फिर खड़ा करना होगा। उच्च शिक्षा के लिए मौखिक संचार हमेशा से अच्छा मॉडल रहा है। अलग-अलग स्ट्रीम के स्टूडेंट्स के बीच डिस्कशन होगा, तो तार्किक परिचचाएँ विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र में होंगी।

4. छात्रों को प्रश्न पूछने-आइडिया शेयर करने दें, इससे कक्षाएं सार्थक होंगी।

5. उन्हें सिखाएं कि पैसे कैसे कमा सकते हैं। कुछ लोग इस पर आपत्ति कर सकते हैं। पर बता दूं कि जब क्रिकेटर आठ अंकों में कमाता है, तो केवल कक्षा का सैद्धांतिक ज्ञान उन्हें पीछे छोड़ देता है। इसलिए शुद्ध ज्ञान से नैतिक रूप से पैसे कमाने को प्रोत्साहित करें।

फंडा यह है कि जो छात्र बिना किताबें पढ़े क्विज में टॉप करता है, उसने कुछ नहीं सीखा होता। तकनीक पर निर्भर छात्र न केवल ज्ञान हासिल करने में विफल होते हैं, बल्कि रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच की क्षमताओं का भी विकास नहीं कर पाते। छात्रो, ये आपका चुनाव है कि आपका मार्गदर्शक कौन होगा- प्रोफेसर या तकनीक? इस पर विचार करें।

संत वचन

मसीह में भाइयों और बहनों, जैसा कि हमने एंटिओक के सेंट इग्नाटियस के जीवन और उदाहरणों से सुना है, और जैसा कि हमने पवित्र शास्त्रों के शब्दों को समझा है, इसलिए हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें ताकि हम उन लोगों के पदचिन्हों पर चल सकें जो हमसे पहले चले गए हैं और अपने जीवन और ईश्वर में विश्वास में अनुकरणीय रहे हैं। आइए हम सभी अपने अभिमान और अहंकार, लालच और अन्य प्रकार की इच्छाओं को त्याग दें जो हमें हमारे पतन की ओर ले जा सकती हैं। आइए हम सभी अब से अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में ईश्वर की इच्छा को और अधिक ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास करें, और आइए हम अपने स्वयं के अनुकरणीय जीवन से एक-दूसरे को प्रेरित करना जारी रखें ताकि हम सभी को प्रभु के और करीब ला सकें। आज के हमारे प्रथम वाचन में, जो प्रेरित पौलुस द्वारा कलीसिया और इफिसुस नगर और क्षेत्र के ईश्वर के वफादार लोगों को लिखे गए पत्र से लिया गया है,

किसी पर रहम, किसी को सजा- ये कैसा तंत्र है!

कुछ सप्ताह पहले मैंने ह्यमाय नेम इज रहीम खानह्ल शीर्षक से एक वीडियो-ब्लॉग प्रसारित किया था, जिसमें बताया गया था कि आज एक भारतीय मुसलमान होने का क्या मतलब है। इसके बाद तत्काल ही मैं दक्षिणपंथियों के निशाने पर आ गया। मुझ पर आरोप लगाया गया कि बढ़ते इस्लामिक चरमपंथ की समस्या से बचने के लिए मुस्लिम-विक्टिमहुड का झूठा चित्रण कर रहा हूं। लेकिन आज सोचने पर लगता है कि शायद मेरे उस ब्लॉग का शीर्षक ह्यमाय नेम इज अली खान महमूदाबादह्ल होना चाहिए था।

फेसबुक पर टिप्पणी के लिए अशोका यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी बताती है कि हमारे राजनीतिक-तंत्र में क्या गलत है, जो भारतीय मुसलमानों को हाशिए पर धकेल रहा है।

एडिट.नोट

उनका अपराध यह था कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर अपने विचार व्यक्त किए थे। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दक्षिणपंथी टिप्पणीकारों के पाखंड पर सवाल उठाया था। उन्होंने लिखा था कि मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि बहुत से दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर्नल कुरैशी की तारीफ कर रहे हैं, लेकिन शायद उन्हें इतने ही पुरजोर तरीके से यह मांग भी करनी चाहिए कि मॉब लिंचिंग, बुलडोजर और नफरत फैलाने वाली राजनीति के शिकार होने वाले दूसरे लोगों को भी भारतीय नागरिकों की भांति सुरक्षा मिले।

ऐसा लिखकर अली खान यह बताना चाह रहे थे कि कर्नल कुरैशी को धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक बताने और धरातल पर भारतीय मुसलमानों के खिलाफ बढ़ते भेदभाव के बीच कितना अंतर है। क्या इस टिप्पणी को भारत की स्वायत्तता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाली बातों के तौर पर देखा जा सकता है? या क्या इसे किसी महिला की गरिमा का अपमान करने वाला कृत्य कहा जा सकता है? सरकार की आलोचना कब से इस हद तक एक अपराध हो गई कि भाजपा युवा मोर्चा के एक कार्यकर्ता सरपंच की शिकायत पर तत्काल गिरफ्तारी हो जाए या हरियाणा महिला आयोग नोटिस भेज दे? महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया से जब एक टीवी इंटरव्यू में यह पूछा गया कि अली खान ने किसी महिला की गरिमा का हनन कैसे किया है तो उनके पास इसका कोई तार्किक स्पष्टीकरण नहीं था। यह साफ है कि अन्य ह्यसरकारीह्ल संस्थानों की तरह महिला आयोग ने भी आधिकारिक निर्देशों पर जल्दबाजी में नोटिस भेज दिया था। इसमें दिल्ली पुलिस भी शामिल थी। इस मामले ने कई परेशान करने वाले सवाल खड़े किए हैं। जैसे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश के लिए सत्ता का दुरुपयोग। यह इस तरह का इकलौता मामला नहीं है। चाहे किसी भी दल की सरकार हो, वह असहमति के स्वरों को दबाने के लिए इसी तरह से अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करती है।

याद करें कि कैसे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के बारे में सोशल मीडिया पर कथित रूप से एक अपमानजनक पोस्ट शेयर करने पर मराठी अभिनेत्री केतकी चिताले को 2022 में गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा था। और कैसे द्रमुक सरकार ने तब चुप्पी साध ली थी, जब एक समूह ने सत्ताधारी पार्टी के मुखर आलोचक और यूट्यूबर सुवुक्कू शंकर के घर में गंदगी फेंक दी थी। और कैसे कोलकाता के एक प्रोफेसर पर ममता बनर्जी का कार्टून फॉरवर्ड करने के आरोप लगाए गए थे और उन्हें गिरफ्तारी के 11 साल बाद जाकर रिहा किया गया था। एक मायने से भारतीय राजनीतिक तंत्र ने युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन के इस कथन को अपना लिया है कि ह्यबोलने की आजादी तो है, लेकिन बोलने के बाद आजादी की गारंटी नहीं है! हालात ऐसे बन गए हैं कि कौन कानून के दायरे में आएगा और कौन नहीं, यह भी आज पूरी तरह से सत्ता-कुलीनों की निजी धारणाओं के अधीन हो गया है। अली खान प्रकरण की तुलना मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह से करें, जिन्होंने कर्नल कुरैशी के खिलाफ अपमानजनक और साम्प्रदायिक टिप्पणी की थी।शाह को मंत्री पद से हटाने या सार्वजनिक रूप से फटकारने के बजाय भाजपा-नेतृत्व इस पर चुप है। मंत्री ने दिखावटी माफी मांग ली है।

निरजा चौधरी-लेखक

अब भारतीय राजनीति में थरूर फैक्टर के क्या हैं मायने?

पहलगाम हमले के बाद विपक्ष की राजनीति में यदि कोई केंद्र बिंदु बना है तो वो हैं डॉ. शशि थरूर। वे तब सुर्खियों में आए, जब केंद्र सरकार ने उन्हें विश्व की राजधानियों में भेजे जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व सौंपा, जबकि उनकी पार्टी ने उनके नाम की सिफारिश तक नहीं की थी। हालांकि मनमोहन सिंह ने भी कश्मीर पर राउंड-टेबल वार्ता के लिए 2006 में श्रीनगर में एक ऐसे ह्यसरकारी प्रतिनिधिमंडलह्ल का नेतृत्व किया था, जिसके लिए दूसरी पार्टियों के अध्यक्षों से कोई सुझाव नहीं मांगे गए थे।

वास्तव में, सरकार ने तीन और ऐसे कांग्रेस सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है, जो कांग्रेस की ओर से नामित नहीं किए गए थे। इनमें सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी और अमर सिंह हैं। सरकार ने राहुल गांधी की ओर से भेजे गए नामों में से सिर्फ आनंद शर्मा को ही चुना, शेष तीन नाम खारिज कर दिए। यदि थरूर को शामिल नहीं किया गया होता तो कांग्रेस और सरकार के बीच एक ऐसे समय में राजनीतिक मतभेद उभरकर सामने नहीं आए होते, जब सरकार कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की एकजुटता दिखाने की कोशिश कर रही है।

थरूर ने निमंत्रण को तुरंत स्वीकारा और उसे अपने लिए ह्यसम्मानह्ल बताया। उन्होंने कहा कि ह्यजब देशहित में मेरी सेवाओं की दरकार हो तो मैं पीछे नहीं हटूंगा।ह्ल थरूर ने वैश्विक मीडिया के सामने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत का पक्ष बेहद प्रभावी ढंग से रखा था। केरल से चार बार सांसद रह चुके थरूर एक समय संयुक्त राष्ट्र के महासचिव बनने को लेकर उम्मीदजदा थे। तब उनकी वाकपटुता और सम्प्रेषण-कौशल ने भाजपा और कांग्रेस दोनों को प्रभावित किया था। कई लोगों का मानना है कि पहलगाम के बाद भारत के पक्ष को थरूर ने इतने बेहतर तरीके से सामने रखा है, जितना कि भाजपा प्रवक्ता भी नहीं कर पाए थे। पिछले कुछ समय से थरूर कांग्रेस आलाकमान की आंख की किरकिरी बने हुए हैं। गांधी परिवार को लगता है कि उन्होंने थरूर की कई बार करियर में आगे बढ़ने में मदद की थी, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में वे पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खरगे के सामने खड़े हो गए। हालांकि थरूर हार गए, लेकिन उन्होंने अपना असर जरूर छोड़ा। वे पार्टी से परे भी अपने प्रशंसक बनाने में सफल रहे हैं। कुछ समय पहले उन्होंने नाराजगी जताते हुए यह भी कहा था कि पार्टी ने उनका ठीक से उपयोग नहीं किया है और उनके पास ह्यदूसरे विकल्पह्ल भी हैं। सोशल मीडिया पर उनके बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं। पेशेवर और बुद्धिमान लोगों के साथ ही युवा भी उन्हें सम्मान की नजर से देखते हैं। लोग उन्हें सुनने आते हैं। उनके समर्थक केरल ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण भारत में देखे जा सकते हैं। उन्होंने अपना यह जनाधार हाईकमान की मदद के बिना तैयार किया है। कांग्रेस में कई नेता अचरज करते हैं कि आखिर थरूर की राजनीति क्या है? कई उनके भाजपा की ओर झुकाव का संकेत भी करते हैं। मोदी सरकार द्वारा थरूर को एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई सौंपने से भी इन अटकलों को बल मिला है। थरूर के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल अमेरिका सहित पनामा, गयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएगा। मौजूदा हालात में यह साफ नहीं है कि क्या कांग्रेस उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी और अगर हां तो किस आधार पर। केरल में अगले साल चुनाव होने जा रहे हैं, ऐसे में थरूर के खिलाफ कोई भी कदम उठाना कांग्रेस के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है। केरल ऐसा राज्य है, जहां कांग्रेस अपनी जीत के प्रति आश्वस्त है। वाम मोर्चा वहां पर पिछले दो कार्यकालों से सत्ता में है। यह भी साफ नहीं है कि थरूर आने वाले हफ्तों में क्या करने वाले हैं। क्या वे नई पार्टी बनाएंगे, अलबत्ता यह कभी भी आसान नहीं होता। वे भाजपा या सीपीएम में शामिल हो सकते हैं। लेकिन इसकी भी संभावना बहुत कम है। क्योंकि ऐसा करने पर उनकी वो तमाम राजनीतिक पूंजी नष्ट हो सकती है, जो उन्होंने कमाई है। या क्या वे निर्दलीय सांसद के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं? ये सब अभी अटकलें हैं, लेकिन यह साफ है कि केंद्र सरकार उनका सदुपयोग करना चाह रही है। थरूर भी उम्मीद कर सकते हैं कि सरकार उन्हें ऐसी कोई भूमिका दे, जैसे अभी दी है। किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी, लेकिन थरूर-फैक्टर हमें भविष्य के बदलावों का संकेत जरूर देता है। क्या गांधी परिवार की अवहेलना के बावजूद अपनी जमीन कायम रखने से थरूर को कांग्रेस के अनपेक्षित हलकों से समर्थन दिलाया है? अतीत में कैप्टन अमरिंदर सिंह को भी तो इन्हीं कारणों से लोकप्रियता मिली थी।

बिजनेस

ट्रम्प की धमकी, भारत में आईफोन बनाए तो 25%-टैरिफ लगेगा:अमेरिका में ही फ्रैक्ट्री लगाएं

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत में आईफोन बनाने को लेकर एपल को एक बार फिर धमकी दी है। शुक्रवार को ट्रम्प ने कहा अमेरिका में बेचे जाने वाले आईफोन का निर्माण भारत या किसी अन्य देश में नहीं, बल्कि अमेरिका में ही होना चाहिए।

ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने पहले सीधे तौर पर एपल के सीईओ टिम कुक को बता दिया है कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाएगा तो, तो कंपनी पर कम से कम 25% का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखाअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नहीं चाहते कि एपल के प्रोडक्ट भारत में बने। पिछले हफ्ते ट्रम्प ने कंपनी के उएड टिम कुक से कहा था कि भारत में फैक्ट्रियां लगाने की जरूरत नहीं है। इंडिया अपना ख्याल खुद रख सकता है। एपल उएड के साथ हुई इस बातचीत की जानकारी ट्रम्प ने गुरुवार (15 मई) को कतर की राजधानी दोहा में बिजनेस लीडर्स के साथ कार्यक्रम में दी। उन्होंने कहा था कि एपल को अब अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाना होगा।

इसके बावजूद एपल की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर फॉक्सकॉन ने भारत में 1.49 बिलियन डॉलर (करीब 12,700 करोड़) का निवेश किया है। फॉक्सकॉन ने अपने सिंगापुर यूनिट के जरिए बीते 5 दिन में तमिलनाडु के युजहान टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में यह निवेश किया है।एपल के उएड टिम कुक ने हाल ही दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि अमेरिकी बाजार में बिकने वाले 50% आईफोन भारत में बन रहे हैं। कुक ने कहा कि भारत अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका में बिकने वाले आईफोन्स का कंट्री ऑफ ओरिजिन बन जाएगा। उन्होंने बताया कि एयरपॉड्स, एपल वॉच जैसे अन्य प्रोडक्ट्स भी ज्यादातर वियतनाम में बनाए जा रहे हैं।

सप्लाई चेन डायवर्सिफिकेशन: एपल चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। जियोपॉलिटिकल टेंशन, ट्रेड डिस्प्यूट और कोविड-19 लॉकडाउन जैसे दिक्कतों से कंपनी को लगा कि किसी एक क्षेत्र में ज्यादा निर्भर रहना ठीक नहीं है। इस लिहाज से एपल के लिए भारत एक कम जोखिम वाला ऑप्शन साबित हो रहा है।गवर्नमेंट इंसेंटिव: भारत की मेक इन इंडिया इनिशिएटिव और प्रोडक्शन लिंक्ड इनिशिएटिव (ढछक) स्कीम्स कंपनियों को लोकल मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता देती हैं। इन पॉलिसीज ने फॉक्सकॉन और टाटा जैसे एपल के पार्टनर्स को भारत में ज्यादा निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया है। बढ़ती बाजार संभावना: भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन मार्केट में से एक है। लोकल प्रोडक्शन से एपल को इस मांग को पूरा करने में ज्यादा मदद मिलती है, साथ ही इसकी बाजार हिस्सेदारी भी बढ़ जाती है, जो फिलहाल लगभग 6-7% है। एक्सपोर्ट के लिए अवसर: एपल इंडिया में बने अपने 70% आईफोन को एक्सपोर्ट करता है, जिससे चीन की तुलना में भारत के कम इम्पोर्ट टैरिफ का फायदा मिलता है। 2024 में भारत से आइफोन एक्सपोर्ट 12.8 बिलियन डॉलर (करीब 1,09,655 करोड़) तक पहुंच गया। आने वाले समय में इसके और ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है। स्किल्ड वर्कफोर्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर: भारत का लेबर फोर्स एक्सपीरियंस के मामले में चीन से पीछे है, लेकिन अभी इसमें काफी सुधार हो रहा है। एपल के फॉक्सकॉन जैसे पार्टनर, प्रोडक्शन की जरूरतों को पूरा करने के लिए कर्मचारियों को ट्रेनिंग दे रहे हैं और कर्नाटक में 2.7 बिलियन डॉलर (23,139 करोड़) के प्लांट जैसी फैसिलिटीज का विस्तार कर रहे हैं।

राज-काज

सेंसेक्स 769 अंक चढ़कर 81,721 पर बंद

मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबार दिन आज यानी शुक्रवार, 23 मई को सेंसेक्स 769 अंक चढ़कर 81,721 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 243 अंक की तेजी रही, ये 24,853 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में तेजी, जबकि दो में गिरावट रही। जोमैटो, पावर ग्रिड, क्लळउ और बजाज फिनसर्व के शेयरों में 3.5% तक की तेजी रही। नेस्ले इंडिया समेत कुल 14 शेयरों में 1.8% तक की तेजी रही। सनफार्मा और एयरटेल 1.8% तक फिसले। निफ्टी के 50 शेयरों में से 46 में तेजी और 4 में गिरावट रही। ठरए के ऋटउऋ इंडेक्स में 1.63%, प्राइवेट बैंक में 1.08%, क्ळ इंडेक्स में 0.95%, मेटल में 0.76% और रियल्टी में 0.64% की तेजी रही। फार्मा और हेल्थ केयर में मामूली गिरावट रही।एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई करीब 175 अंक ऊपर 37,300 और कोरिया का कोस्पी 2 अंक ऊपर 2,592 के स्तर पर बंद हुआ।

अडाणी 50,000 करोड़ निवेश करेंगे, मोदी बोले- भारत दुनिया का सबसे डाइवर्स नेशन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा- भारत को दुनिया का सबसे डाइवर्स नेशन कहा जाता है। हमारा नॉर्थ ईस्ट इसका सबसे डाइवर्स हिस्सा है। इस मौके पर मुकेश अंबानी ने पूर्वोत्तर के राज्यों- अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के मुख्यमंत्रियों से क्षेत्र के विकास को लेकर 6 वादे किए। गौतम अडाणी ने अगले 10 साल में अपने ग्रुप से पूर्वोत्तर में 50,000 करोड़ रुपए का निवेश की घोषणा की।

दिन चलेगा समिट- मिनिस्टर लेवल सेशन, इ2ऋ और इ2इ मीटिंग दो दिन चलने वाली समिट में मंत्री स्तर के सेशन, बिजनेस टु गवर्नमेंट, बिजनेस टु बिजनेस बैठकें होंगी। पूर्वोत्तर राज्यों के लिए घरेलू और ग्लोबल इन्वेस्टर्स को एक मंच पर लाने के लिए यह समिट की जा रही है। समिट से टूरिज्म, एग्रीकल्चर, फूड प्रोसेसिंग, हेल्थ, एजुकेशन और एनर्जी जैसे सेक्टर्स में निवेश को प्रमोट करने की योजना है। पूर्वोत्तर राज्यों की इन सेक्टर्स में 2023-24 में ग्रोथ (राज्य ऋरऊढ) 9.26 लाख करोड़ रुपए रही। यह 2014-15 से 2021-22 तक 10.8% की दर बढ़ी जबकि इस दौरान देश का औसत ऋरऊढ 8.1% था।रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने कहा, 'मैं ऑपरेशन सिंदूर की शानदार सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सलाम करता हूं। यह सफलता उनके दृढ़ संकल्प और हमारे सशस्त्र बलों की बेजोड़ बहादुरी का एक शानदार प्रमाण है।'

'आज मैं अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के मुख्यमंत्रियों से 6 वादे कर रहा हूं। सबसे पहले, रिलायंस ने पिछले 40 साल में इस क्षेत्र में लगभग 30,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। अगले 5 साल में हम अपने निवेश को दोगुना से भी अधिक करेंगे और हमारा लक्ष्य 75,000 करोड़ रुपए होगा। इससे इस क्षेत्र में 25 लाख से ज्यादा डायरेक्ट और इनडायरेक्ट रोजगार के अवसर पैदा होंगे।'अडानी ग्रुप के चेयरपर्सन गौतम अडानी ने कहा, 'पिछले एक दशक में, नॉर्थ-ईस्ट की पहाड़ियों और घाटियों में, भारत की विकास कहानी में एक नया अध्याय सामने आ रहा है। इस उत्थान के पीछे एक ऐसे नेता का विजन है जो सीमाओं को नहीं, केवल शुरूआत को मानता है।

सोने का दाम 300 रुपए बढ़कर 95,516 पर पहुंचा:चांदी 1,135 रुपए महंगी हुई; इस साल सोना 26% और चांदी 14% बढ़ी

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी शुक्रवार, 23 मई को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (क् इखअ) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 299 रुपए बढ़कर 95,516 रुपए पर पहुंच गया है। कल यह 95,516 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

वहीं, चांदी की कीमत भी आज 1,135 रुपए बढ़कर 97,654 रुपए पर पहुंच गई है। कल चांदी 96,519 रुपए किलो थी। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,680 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,530 रुपए है। कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,400 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 97,530 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,530 रुपए है।अमेरिकी-चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं। विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (इक्र) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी ऌवक्ऊ कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- अे4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

प्रयागराज के बाहरी इलाके में स्थित शंकरगढ़ में गंगा नदी से नजदीक स्थित क्षेत्र में पानी की कमी के बीच लोग बारिश के पानी से भरे एक तालाब से पीने का पानी इकट्ठा करने जाते हैं।

देवी अहिल्याबाई के 300वीं जयंती वर्ष में किए जा रहें हैं विभिन्न कार्यक्रम

देवी अहिल्या के जीवन को नाट्य में देखना सौभाग्य : सीएम

संवाददाता ● उज्जैन

कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह हम सब का सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश की ऐसी महान शासिका देवी अहिल्याबाई के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को नाट्य मंचन के माध्यम से परिचित होने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ। यादव गुरूवार को कालिदास संस्कृत अकादमी के पण्डित सूर्यनारायण व्यास संकुल सभा गृह में देवी अहिल्या बाई की 300वीं जयंती वर्ष के अवसर पर अहिल्याबाई होलकर महानाटय – जीवन, अवदान और वैभव का गान के मंचन कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. साधना बलवटे की लिखी पुस्तक 'अहिल्या रूपेण संस्थिता' का विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव, संजय अग्रवाल, संस्कार भारती के सह कोषाअध्यक्ष श्रीपाद जोशी, विशाल राजोरिया, जगदीश अग्रवाल, देवी अहिल्या बाई जयंती समारोह के जिला संयोजक उमेश सेंगर, जगदीश पांचाल एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे। संस्कृति संचलनालय के संचालक एन।पी। नामदेव और कालिदास संस्कृत अकादमी के निदेशक ड़ॉ। गोविंद गंधे ने अतिथियों का स्वागत किया। केन्द्र और राज्य सरकार देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती वर्ष के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करा रही हैं। देवी अहिल्याबाई ऐसी बेटी थीं, जो विवाह के बाद सास-ससुर की भी बेटी ही बन कर रहीं।

बचपन में देवी अहिल्याबाई ने बाजीराव की सवारी निकलने पर अपने स्थान से हटने से मना कर दिया था, क्योंकि वे उस समय भगवान शिव की पूजा कर रही थीं, यह प्रसंग उनके साहस को दर्शाता है। देवी अहिल्या बाई सदगुणों की खान थीं। उन्हें शास्त्रों के साथ शस्त्रों की भी शिक्षा प्रदान की गई थी। पति द्वारा युद्ध में जीती गई धन राशि को उन्होनें शासकीय खजाने में जमा करने के लिए कहा था, जो कि उनकी उदारता को दर्शाता है। देवी अहिल्याबाई ने प्राचीन सोमनाथ मंदिर और काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था। उन्होंने सनातन धर्म की ध्वजा को धारण करके एक आदर्श जीवन जिया है, जो सबके लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कष्ट सहकर भी सुशासन की मिसाल पेश की। देवी अहिल्याबाई ने आमजन के लिये रोजगार के अवसर और उनकी बेहतरी के लिए महेश्वर में दक्षिण भारत के कारीगर बुलाकर हाथ से बुनी हुई साड़ी बुनने की कला से स्थानीय लोगों को परिचित करवाया। आज महेश्वर की साड़ियां विश्व भर में प्रसिद्ध हैं।

भोपाल में होगा नारी सशक्तिकरण समारोह

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन ने महेश्वर और इन्दौर के राजवाड़ा में कैबिनेट बैठक का आयोजन देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में ही किया है। उन्होंने कहा कि आगामी 31 मई को शासन द्वारा भोपाल में नारी सशक्तिकरण पर आधारित कार्यक्रम का भव्य स्तर पर आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने अपनी ओर सभी कलाकारों को शुभकामनाएं दीं और उनका सम्मान किया। मुख्यमंत्री निधि से कलाकारों को 5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की भी घोषणा की गई। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती वर्ष के अवसर पर प्रदेश के पांच प्रमुख शहरों में देवी अहिल्या बाई पर केंद्रित नाटयों का मंचन किया जा रहा है। कालिदास संस्कृत अकादमी में महानाट्य की प्रस्तुति नागपुर के कलाकारों द्वारा सुश्री प्रियंका ठाकुर के निर्देशन में दी गई।

शॉट न्यूज

गेहूं में कंकड़ मिलाकर खपाने की तैयारी, केस

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के मंझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत धनाड़ी के समीप स्थित मां रेवा वेयरहाउस में जमकर अनियमितताएं पाई गई हैं। यहां पर बड़े पैमाने पर गेहूं में मिट्टी-कंकड़ मिलाया जाता था, जिसके बाद उसे पैक कर तौल कर समर्थन मूल्य पर बेचकर आर्थिक लाभ लिया जाता रहा। उक्त मामले की प्रशासनिक स्तर पर हुई जांच में बड़ी अनियमितताएं उजागर हुई हैं। खाद्य अधिकारियों की शिकायत पर मंझौली थाने में वेयरहाउस संचालक नितेश पटेल (संचालक मां रेवा वेयरहाउस, धनाड़ी) व शीला बाई कुशवाहा (खरीदी केंद्र प्रभारी एवं अध्यक्ष, सबला संकुल स्तरीय संगठन, कांकरदेही) के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी कुंजन सिंह राजपूत ने लिखित प्रतिवेदन दिया था।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को सजा

ग्वालियर। ग्वालियर में एक नाबालिग छात्र के साथ दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई है। आरोपी विकास जाटव को पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी पाया गया है। साथ ही धारा 506 के तहत दो साल का कारावास भी दिया गया है। मामला 27 मार्च 2023 का है। पीड़ित कक्षा 8 का छात्र था, जिसकी इंस्टाग्राम के जरिए 23 वर्षीय विकास जाटव से दोस्ती हुई थी। दोनों अक्सर मंदिर और अन्य स्थानों पर घूमने जाते थे। 26 मार्च की शाम को आरोपी ने पीड़ित को अपने घर बुलाया। पीड़ित के अनुसार, वह टीवी देखते हुए सो गया। जब वह जागा तो उसके हाथ-पैर बंधे हुए थे। आरोपी ने सरिया दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसने पीड़ित के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। पीड़ित के रोने पर उसने बंधन खोल दिए, जिसके बाद पीड़ित वहां से भाग निकला।

तहसीलदार ने बना दिया पूरे भिंड जिले के लोगों का डेथ सर्टिफिकेट...

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर चंबल संभाग हमेशा सुर्खियों में बना रहता है। ऐसे में इस बार भिंड जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने कुछ ऐसा अजीबो-गरीब कारनामा कर दिखाया है, जिसकी सभी जगह चर्चा हो रही है। चर्चा भी इसलिए हो रही है, क्योंकि मृत्यु प्रमाण पत्र इंसान की मौत पर बनाया जाता है, लेकिन इस बार अधिकारियों ने 'भिंड जिले' को ही मृत घोषित कर दिया है और बाकायदा भिंड जिले का डेड सर्टिफिकेट भी जारी कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, भिंड जिले के तहसीलदार कार्यालय में शहर की चतुर्वेदी नगर कॉलोनी में रहने वाले गोविंदा के पिता रामहेत का 8 नवंबर 2018 को निधन हो गया था। ऐसे में अप्रैल माह में उनके मृत्यु प्रमाण की परिवार को जरूरत पड़ी तो उन्होंने अपने पिता के डेथ सर्टिफिकेट के लिए अप्लाई किया था, जिसके तहत 5 मई 2025 को भिंड तहसीलदार कार्यालय से जो मृत्यु प्रमाण पत्र जारी हुआ।

उज्जैन में आज अवैध संपत्तियों पर चला बुलडोजर

मुस्लिम समाज ने किया विरोध

संवाददाता ● उज्जैन

विरोध

उज्जैन के मुस्लिम बहुल इलाके में आज सुबह नगर निगम और विकास प्राधिकरण की टीम भारी पुलिस बल के साथ पहुंची। टीम ने उन 28 संपत्तियों पर कार्रवाई शुरू की, जो बिना लीज नवीनीकरण के बेची गई थीं या जिन पर अवैध निर्माण हुआ था। फिलहाल 3 संपत्तियों पर कब्जा जमाने टीम पहुंची है। कार्रवाई की खबर फैलते ही सुबह 5 बजे से मुस्लिम समाज के लोग सड़कों पर बैठकर विरोध करने लगे। हालात को देखते हुए महाकाल मंदिर जाने वाला रास्ता कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा। इस कार्रवाई के दौरान उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी, एसडीएम एलएन गर्ग और एडिशनल एसपी नितेश भार्गव भी मौके पर मौजूद थे। पूरे क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। प्रदर्शन के बीच अधिकारियों ने शहर काजी और मुस्लिम समाज के लोगों से बातचीत की और उन्हें समझाया। बातचीत के बाद लोगों ने खुद ही कुछ अतिक्रमण हटाना शुरू कर दिया और प्रशासन की कार्रवाई में सहयोग किया। प्रशासन का कहना है कि जिन संपत्तियों पर कार्रवाई हुई, वे नियमों के खिलाफ बनाई गई थीं और लीज की शर्तों का पालन नहीं किया गया था।

भोपाल में पेड़ से टकराई कार, 3 की मौत

गाड़ी के परखच्चे उडे, एक गंभीर

भोपाल। भोपाल के बैरागढ़ में एक तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य घायल है। मृतकों की पहचान प्रीत आहूजा, विशाल डाबी और पंकज सिसोदिया के रूप में हुई है। प्रीत कपड़े की दुकान चलाता था। विशाल उसी की दुकान में काम करता था। हादसे में घायल राहुल कंडारे को चिरायु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक्सीडेंट चिरायु अस्पताल के पास गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि पुलिस और एम्बुलेंस सूचना देने के करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंची। MP04 EA 6004 नंबर की पोलर व्हाइट कलर की हुन्डई वेन्यू कार प्रीत आहूजा के भाई कमलेश आहूजा के नाम पर रजिस्टर्ड है। परिजन ने बताया- चारों युवक सीहोर के दरबार होटल में खाना खाने गए थे। लौटते समय इंदौर-भोपाल हाईवे पर कार पेड़ से टकरा गई। गाड़ी प्रीत चला रहा था। विशाल उसके बगल वाली जबकि राहुल और कमलेश पीछे की सीट पर बैठे थे।

फरहान कब्जे की जमीन से रोज 4 हजार तक कमाता था; अय्याशी में उड़ाता था पैसे

रेप-ब्लैकमेलिंग के मास्टरमाइंड का एक और खुलासा

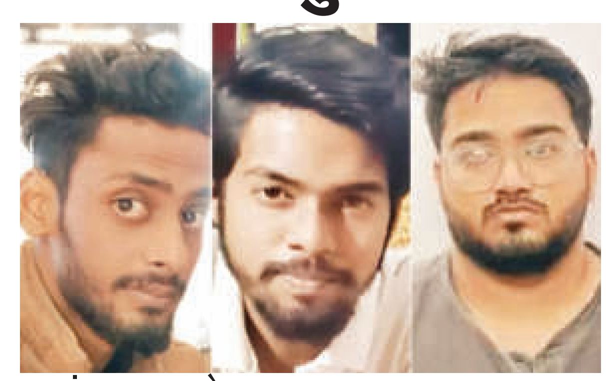

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल के छात्राओं से रेप और ब्लैकमेलिंग के मास्टर माइंड फरहान खान के फंडिंग कनेक्शन की जांच के दौरान एक और बड़ा खुलासा हुआ है। आरोपी कब्जे की जमीन पर अवैध सर्विस स्टेशन और चाय नाश्ते की दुकान का संचालन कराता था। इन दोनों दुकानों से उसे तीन-चार हजार रुपए प्रति दिन के हिसाब से कमाई होती थी। प्रभात चौराहे से जेके रोड जाने वाली सड़क पर अवैध रूप से कब्जा कर उसने चार साल से अधिक समय तक दो दुकानों का संचालन किया। नाले पर कब्जा कर बनाई इन दुकानों को पिछले दिनों नगर निगम की टीम ने जमींदोज कर दिया। पुलिस ने सनसनीखेज रेप और ब्लैकमेलिंग के सभी आरोपियों के अकाउंट डिटेल्स की जांच की है। सबसे अधिक ट्रांजैक्शन फरहान के खातों में ही पाए गए हैं। डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि फरहान की पिछले 9 साल की अकाउंट डिटेल्स खंगाली है। इसमें 49 लाख रुपए से अधिक लेन देन की जानकारी सामने आई है। इस संबंध में फरहान से बात की गई थी। उसने पुलिस को बताया था कि वह सेकेंड हैंड गाड़ियों की डिलिंग के साथ ही प्रभात चौराहा के नजदीक दो दुकानों का संचालन करता था। इस तरह वह महीने के करीब 80 हजार से 1 लाख रुपए तक कमा लिया करता था। फिलहाल उसके खाते में किसी संदिग्ध लेन-देन नहीं पाया गया है।

उसके दो बैंक खातों में एक में करीब 3 हजार और दूसरे में दस हजार से अधिक कैश मौजूद है। 9 साल के अंदर उसके खाते में सबसे अधिक रकम डेढ़ लाख रुपए आई, जो उसने प्राइवेट फाइनेंस कंपनी से लोन लिया था। इसके अलावा कई सारे ट्रांजेक्शन 40-50 हजार रुपए तक के मिले हैं। इस संबंध में फरहान ने बताया कि सेकेंड हैंड गाड़ी बेचने और खरीदने के लिए यह रकम उसके खाते में आती और जाती थी। पुलिस ने बिहार के रहने वाले आरोपी नबील के खाते की जांच कराई तो पाया कि खाते में 10-15 हजार रुपए तक प्रति माह के हिसाब से रकम आती थी। यह रकम उसके परिजन खर्च के लिए भेजा करते थे। बीच में कई बार उसके खाते में 40 से 50 हजार रुपए तक बिहार के एक खाते से आए, यह रकम उसके पिता कॉलेज फीस के लिए भेजा करते थे।

नाबालिग पर अब वयस्क की तरह चलेगा मुकदमा

2017 भोपाल-उज्जैन ट्रेन ब्लास्ट केस में हाई कोर्ट का अहम फैसला

संवाददाता ● जबलपुर

जांच

भोपाल-उज्जैन पैसेंजर ट्रेन ब्लास्ट मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। इस विस्फोट की घटना मार्च 2017 में मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले के पास हुई थी, जिसमें कई यात्री घायल हो गए थे। मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपी गई थी, जिसने जांच के दौरान कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। इनमें से एक आरोपी कथित रुप से नाबालिग बताया गया था, जिसे लेकर कानूनी बहस छिड़ गई थी। उसके खिलाफ सुनवाई किशोर न्याय बोर्ड में होनी चाहिए या एनआईए की विशेष अदालत में।

अब इस मुद्दे पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एक बड़ा और अहम फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट की एकलपीठ, जिसमें जस्टिस संजय द्विवेदी शामिल थे, ने स्पष्ट किया कि आरोपी को भले ही अब वयस्क की तरह ट्रीट किया जाएगा, लेकिन उसकी सुनवाई किशोर न्याय बोर्ड (जुवेनाइल कोर्ट) में ही जारी रहेगी। अदालत ने कहा कि इस मामले में जुवेनाइल जस्टिस एक्ट और एनआईए एक्ट 2008 दोनों ही लागू होते हैं, लेकिन जब दोनों में टकराव की स्थिति हो तो जुवेनाइल जस्टिस एक्ट को प्राथमिकता दी जाएगी। क्योंकि यह विशेष कानून है और बच्चों की रक्षा के लिए बनाया गया है।यह फैसला भोपाल की जिला अदालत द्वारा हाई कोर्ट में रेफरेंस भेजे जाने के बाद आया। जिला अदालत ने यह जानना चाहा था कि आरोपी की सुनवाई किस अदालत में की जानी चाहिए। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आरोपी की मानसिक और शारीरिक स्थिति को देखते हुए, और कानून के दायरे में रहते हुए, जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत सुनवाई उपयुक्त होगी।

ये बोले वकील?

अधिवक्ता अनिल खरे ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय एक महत्वपूर्ण कानूनी उदाहरण बनेगा, जिससे यह स्पष्ट होता है कि आतंक जैसे गंभीर मामलों में भी कानून बच्चों को विशेष संरक्षण देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें जवाबदेह नहीं ठहराया जाएगा। इस फैसले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि भारत का न्याय तंत्र संवेदनशील मामलों में भी संतुलन बनाए रखने में सक्षम है।

सो रहे परिवार को कमरे में बंद कर तीन लाख के साथ कार भी ले उड़े

संवाददाता ● सीहोर

चोरों ने अब चोरी के तरीकों को भी बदल लिया है। हाईटेक चोर पहले रैकी कर रहे हैं और फिर मौका पाकर हाथ साफ कर रहे हैं। ऐसा ही एक चोरी का मामला सीहोर जिले के भैरूंदा थाने के अंतर्गत ग्राम छिदगांव मौजी में सामने आया है। चोरों ने घर के मुख्य गेट की जाली काटकर घर में प्रवेश किया। इसके बाद कमरे में सो रहे परिवार को बाहर से दरवाजा बंद कर कैद कर दिया। फिर बेफिक्र होकर करीब डेढ़ घंटे तक घर में रुककर तीन लाख बीस हजार रुपए नकद, सामान और लगभग पांच लाख रुपए मूल्य की घर के बाहर खड़ी स्विफ्ट कार भी अपने साथ ले गए। चोरों ने ग्रामीण परिवार को आठ लाख रुपए से अधिक की चपत लगी दी। पीड़ित कमलेश शर्मा ने बताया कि वह प्रतिदिन की तरह बुधवार रात 10 बजे अपनी किराना दुकान बंद करने के बाद खाना खाकर पत्नी और दोनों बच्चों के साथ सो गए थे। सुबह 4 बजे बच्चे पानी पीने के लिए उठे, लेकिन कमरे का दरवाजा बाहर से लॉक था। काफी प्रयास के बाद भी जब वह नहीं खुला, तो पड़ोसी विष्णु प्रजापति को सूचना दी। पड़ोसी ने आकर दरवाजा खोला। कमरे से बाहर आकर देखा तो घर का सारा सामान बिखरा था और बाहर खड़ी कार भी गायब थी। इसके अलावा केसीसी जमा करने के लिए बैंक से निकाले गए 2 लाख 96 हजार रुपये भी नहीं गायब थे। पीड़ित के अनुसार, चोर दुकान की दराज में रखे 8 हजार रुपए और 7–8 तेल के पीपे भी ले गए।

पूछा- तैरना नहीं आता था तो बच्चे को बचाने क्यों गए, आयोग ने दिया करारा जवाब

बीमा कंपनी बोली- नदी में क्यों कूदा, ये शर्तों का उल्लंघन

संवाददाता ● भोपाल

उल्लंघन

भोपाल के कोलार इलाके के दत्तु सोनवाने ने 1 नवंबर 2022 को डूबते बच्चे को बचाने के लिए नर्मदा नदी में छलांग लगाई और अपनी जान गंवा दी। जब उनकी पत्नी ने बीमा कंपनी से मुआवजे का दावा किया, तो कंपनी ने सवाल उठाया, 'तैरना नहीं आता था तो नदी में क्यों उतरे?' लेकिन जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने इस तर्क को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा, यह कदम लापरवाही नहीं, बल्कि एक मानवीय और साहसी प्रयास था। आयोग ने बीमा कंपनी को मृतक की पत्नी को 10 लाख रुपए, ब्याज सहित, मानसिक पीड़ा और मुकदमे के खर्च के लिए भुगतान करने का आदेश दिया।

बीमा कंपनी ने भुगतान करने से मना किया

यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी ने मृतक का दावा यह कहते हुए खारिज कर दिया कि दत्तु सोनवाने को तैरना नहीं आता था, फिर भी वे नदी में गए। कंपनी का कहना था कि यह पॉलिसी शर्तों का उल्लंघन है और इस आधार पर भुगतान नहीं किया जा सकता। आयोग ने बीमा कंपनी की इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि यह एक आपातकालीन और मानवीय परिस्थिति थी। दत्तु नदी में नहाने नहीं गए थे, बल्कि एक डूबते बच्चे की जान बचाने के लिए कूदे थे। इस तरह का कदम बीमा दावे को अस्वीकार करने का आधार नहीं बन सकता। यह साहस और मानवता का प्रतीक है।

जान बचाने की कोशिश में गंवाई जान

25 फरवरी 2022 से 24 फरवरी 2023 तक की अवधि के लिए दत्तु सोनवाने ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस से 10 लाख रुपए की व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसी ली थी। प्रीमियम समय पर जमा किया गया था। अगस्त 2022 में वे नर्मदा नदी के आंवली घाट पर थे, जहां एक बच्चा डूब रहा था। बच्चा उनका रिश्तेदार था या नहीं, यह भले स्पष्ट न हो, मगर दत्तु ने बिना सोचे-समझे उसे बचाने के लिए नदी में छलांग लगा दी। बच्चा तो बच गया, लेकिन दत्तु की जान नहीं बच सकी। उनकी पत्नी ने बीमा कंपनी को दावा प्रस्तुत किया, जिसे तैरना न आने के आधार पर खारिज कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने जिला उपभोक्ता आयोग, भोपाल में याचिका दायर की। परिवादी की अधिवक्ता रचना सिंह चौहान ने बताया, "दत्तु सोनवाने अपने परिवार के साथ पिकनिक मनाने गए थे। वहां उनके भतीजे और बेटे डूबने लगे, जिन्हें बचाने के लिए दत्तु पानी में कूदे।

बॉलीवुड में आईं रिद्धि डोगरा, हुआ पछतावा

बोलीं- यहां अपनी आत्मा बेचने के करीब

एक्ट्रेस रिद्धि डोगरा इन दिनों टेलीविजन के बाद फिल्मों में अपना नाम बना रही हैं। वो लगातार अपने टैलेंट के दम पर कई फिल्मों में नजर आ रही हैं। रिद्धि शाहरुख खान की 'जवान' और सलमान खान की 'टाइगर 3' में नजर आई हैं। मगर उनकी फिल्म 'साबरमती रिपोर्ट' ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी थीं। अब रिद्धि ने अपने फिल्मी करियर पर खुलकर बात की है। बातचीत में अपनी फिल्मी जर्नी पर बात की है। उन्होंने कहा है कि बॉलीवुड में काम करना मुश्किल है। उनकी सोच फिल्मी दुनिया के लिए काफी अलग थी जो आज भी नहीं बदली है। रिद्धि का कहना है कि वो फिल्मी पार्टीज में जाकर एक गॉडफादर ढूंढने वाली चीजें नहीं कर सकतीं। एक्ट्रेस ने कहा, 'अब जब मैं फिल्में कर रही हूं, तो मैं वही देख पा रही हूं जिसकी वजह से मैं इससे दूर रही।'

'यहां मुश्किल है। आपको किसी ग्रुप या किसी चीज का हिस्सा होने की जरूरत नहीं है। लेकिन जो एक्टर्स पर दांव है वो इतना बड़ा है कि ब्रैंडिंग, इमेजिंग और सबकी सोच एक अलग लेवल पर है। ये जानने के बाद फिर मैं सोचती हूं कि क्या मुझे वो फेम चाहिए या नहीं। हमारे सबसे पसंदीदा एक्टर्स को वो फेम फैंस से मिला है। अगर मुझे भी वही फेम ऑडियंस देगी, तो मैं उसे खुशी-खुशी स्वीकार करूंगी। लेकिन क्या मैं इसे बनाने या इससे हेरफेर करने जा रही हूं? नहीं।' रिद्धि ने आगे कहा कि वो बाकी लोगों की तरह बनावटी नहीं हैं। उन्हें फिल्मों से पहले टीवी और ओटीटी में काम करना अच्छा लग रहा था। मगर अब फिल्मों में आने के बाद वो सिर्फ अपने काम पर फोकस करना चाहती हैं। उन्हें फेम पाने का कोई शौक नहीं। रिद्धि ने कहा, 'मैं कभी भी इसके लिए तैयार नहीं थी कि मुझे कोई गॉडफादर ढूंढना चाहिए या इनकी पार्टीज में जाना चाहिए। मैं वो नहीं कर सकती। मैं टीवी के बाद ओटीटी पर काम करने में खुश थी। कहीं ना कहीं अपनी जर्नी के दौरान मुझे समझ आया कि सेट पर जाकर आपना काम एन्जॉय करना, फेम और ग्लोरी को फिक्स करने से कई ज्यादा जरूरी है। जिसमें से काफी कुछ तो फेक और बनावटी होता है। रिद्धि ने अपना बॉलीवुड एक्सपीरियंस बताते हुए कहा, 'फिल्मी दुनिया में आपने अपने वैल्यूज को दांव पर लगा दिया है। आप सचमुच अपनी आत्मा को बेचने के करीब पहुंच जाते हैं। छोटे शब्दों में कहें तो आपको अपने प्रिंसिपल्स को छोड़ना और उनके साथ समझौता करना पड़ता है। जब आप झूठ की परवाह नहीं करते, तब ये बहुत डरावना हो जाता है।' बता दें, रिद्धि पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान की बैन हुई फिल्म 'अबीर गुलाल' का हिस्सा थीं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारत सरकार ने उनकी फिल्म पर

मां-बाप कौन? प्रतीक स्मिता पाटिल ने तोड़ी चुप्पी...

फिल्मी दुनिया के कई पॉपुलर सितारे स्क्रीन के लिए अपने नाम में बदलाव कर चुके हैं। इस लिस्ट में मशहूर एक्टर से लेकर एक्ट्रेस का नाम शामिल है। हालांकि, बॉलीवुड अभिनेता प्रतीक स्मिता पाटिल अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं। उन्होंने अपने नाम में कई बार बदलाव किया है। हाल ही में एक्टर ने सरनेम से पिता राज बब्बर के नाम को हटाया था। इतना ही नहीं, शादी के समय उनके ऊपर अपने पिता को ना बुलाने का आरोप भी लगा था, जिसका जवाब उन्होंने बेबाक अंदाज में दिया था। अब उन्होंने जन्म के बाद अपनी कस्टडी को लेकर हुए विवाद को याद किया। एक्टर ने इस बात से पर्दा उठाया है कि उनके जन्म के बाद सरनेम को लेकर उनके पिता राज बब्बर और माता स्मिता पाटिल के परिवार के बीच विवाद हुआ था। प्रतीक फिल्मी दुनिया से लेकर पर्सनल लाइफ के विषयों पर खुलकर बात करने के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने वरिंदर चावला के यूट्यूब चैनल को इंटरव्यू दिया। प्रतीक ने जन्म के बाद हुए विवाद को याद करते हुए कहा, जब मेरा जन्म हुआ, तो नाम प्रतीक ही था। मेरे माता-पिता के परिवार के बीच कस्टडी को लेकर लड़ाई हुई थी, जिसमें मेरी माता के पक्ष को जीत मिली। इतना ही नहीं, मेरे सरनेम को लेकर भी लड़ाई थी। आखिर में जब पासपोर्ट बना, तो उसमें प्रतीक स्मित बब्बर लिखा गया। उन्होंने अपनी बात पूरी करते हुए आगे बताया, जब मैं बड़ा हुआ, तो हर जगह स्कूल में भी मेरी पहचान प्रतीक स्मित बब्बर के रूप में हुई।

संदीप रेड्डी की फिल्म 'स्पिरिट' से दीपिका की छुट्टी

दीपिका पादुकोण संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में दिखने वाली थीं लेकिन सूत्रों के मुताबिक अब वो इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। ये बात कंफर्म हो चुकी है। दीपिका को फिल्म से हटा दिया गया है। इसके पीछे उनका बहुत ज्यादा डिमांडिंग होना बताया गया है। दीपिका की तरफ से आठ घंटे की शिफ्ट, मोटी फीस, प्रॉफिट में हिस्सा और तेलुगु में डायलॉग न बोलने जैसी डिमांड शामिल थी। दीपिका 2024 के सितंबर में मां बनी हैं इसलिए वो हफ्ते में बस 5 दिन आठ घंटे की शिफ्ट चाहती थीं। एक्ट्रेस की इन सारी मांगों से संदीप खुश नहीं थे। एक्ट्रेस की मांगों को अन प्रोफेशनल कहा जा रहा है। दीपिका के हटने के बाद अब संदीप रेड्डी फिल्म के लिए नई फीमेल लीड की तलाश में हैं। फिलहाल मेकर्स इस बात से भी परेशान है कि उनकी घोषणा के पहले ही ये खबर बाहर कैसे आई। बता दें कि पहले इस फिल्म की शूटिंग साल 2024 के आखिरी में होने वाली थी लेकिन दीपिका की प्रेग्नेंसी की वजह से शूटिंग टल गई। मां बनने के बाद अपने बिजी शेड्यूल के कारण दीपिका ने फिल्म करने मना कर दिया था। लेकिन संदीप को दीपिका ही चाहिए थीं इसलिए उन्होंने उनके हिसाब से शेड्यूल को बदला, जिसके बाद दीपिका ने फिल्म के लिए हामी भर दी थी। कुछ ही दिन पहले ये खबर आई थी कि 'स्पिरिट' के लिए दीपिका पादुकोण को 20 करोड़ रुपए की फीस दी गई है।

सलमान के घर में जबरन घुस रहा शख्स गिरफ्तार

सलमान खान के घर में एक बार फिर एक शख्स के घुसने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना 20 मई की है। खुलासा गुरुवार को हुआ। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। 23 साल के आरोपी का नाम जीतेंद्र कुमार है और छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। 2 दिन में यह दूसरी घटना थी। बीती रात ईशा छाबड़ा नाम की महिला ने भी गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसने की कोशिश की थी। इसे भी पुलिस ने अरेस्ट कर लिया था। दोनों मामलों की जांच जारी है। सलमान की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी संदीप नारायण की शिकायत पर बांद्रा पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। संदीप ने बताया कि 20 मई की सुबह 09:45 बजे एक अज्ञात व्यक्ति को गैलेक्सी अपार्टमेंट बिल्डिंग के आसपास घूमते देखा गया। मैंने उसे समझाया और उसे चले जाने को कहा। इस पर आरोपी ने अपना मोबाइल फोन जमीन पर फेंककर तोड़ दिया। संदीप ने कहा कि वह शख्स शाम करीब 7:15 बजे फिर गैलेक्सी अपार्टमेंट के मुख्य द्वार पर वापस आया और इमारत में रहने वाले एक व्यक्ति की कार से गेट के अंदर प्रवेश कर गया। मौके पर मौजूद पुलिस कॉन्स्टेबल सुर्वे, महेत्रे, पवार और सुरक्षा गार्ड कमलेश मिश्रा ने तुरंत उसे हिरासत में लिया और बांद्रा पुलिस के हवाले कर दिया।

'हेरा फेरी 3' की कंट्रोवर्सी क्या है पब्लिसिटी स्टंट? परेश रावल के हटने की खबर और 25 करोड़ का लीगल नोटिस

एक्टर अक्षय कुमार और परेश रावल की सुपरहिट फ्रेंचाइजी 'हेरा फेरी' का तीसरा पार्ट इन दिनों चर्चा में है। परेश रावल ने उससे अलग होने का फैसला किया। बदले में अक्षय कुमार की कंपनी से उन्हें 25 करोड़ रुपए के लीगल नोटिस मिलने की खबरें सामने आईं। वह नोटिस सच में परेश रावल को मिला है कि नहीं, उस पर किसी की तरफ से आधिकारिक पुष्टि नहीं रही। इस बीच इस मसले पर ट्रेड जानकारों के दावे हैं कि बहुत जल्द सबके बीच सुलह हो जाएगी। परेश रावल फिर से बतौर बाबूराव गणपत राव आप्टे 'हेरा फेरी 3' से जुड़ेंगे। ठीक वैसे ही, जैसे हाल में पीवीआर सिने चेन ने मैडॉक के खिलाफ 'भूल चूक माफ' फिल्म पर कोर्ट-कचहरी का रुख किया और बाद में दोनों पार्टी के बीच सुलह हो गई। अब 'भूल चूक माफ' ओटीटी के बजाय थिएटर्स में पहले रिलीज हो रही। ट्रेड एनालिस्ट अक्षय राठी और तरण आदर्श इसकी वजहें जाहिर करते हैं। अक्षय राठी ने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री छोटा सा परिवार है। अक्षय और परेश जी तो सालों से एक-दूसरे को जानते और साथ काम कर चुके हैं। हाल में जब पीवीआर और मैडॉक कोर्ट में गए तो उसके बाद फिर दोनों ने साथ बैठकर सुलह की। यहां भी परेश जी और अक्षय में से कोई नासमझ नहीं हैं। दोनों काफी अनुभवी हैं। जो फैसला लेते हैं, बहुत सोच-समझकर लेते हैं। दोनों साथ में इतना काम कर चुके हैं कि ये माजरा वह आपस में ही सुलझा लेंगे। बेशक जो कुछ इन दिनों उनको लेकर खबरें उछल रही हैं, वो होंगी, पर दोनों इतने परिपक्व हैं, जो मामला आपस में सुलझा लेंगे।

शिल्पा शिरोडकर के बाद अब इस एक्ट्रेस को हुआ कोरोना

बॉलीवुड और ओटीटी की जानी-मानी अदाकारा निकिता दत्ता कोरोना पॉजिटिव हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इस बात का खुलासा किया है कि उन्होंने और उनकी मां ने कोरोना का टेस्ट करवाया और वो पॉजिटिव टेस्ट आया है। याद दिला दें, निकिता हाल ही में सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के साथ नेटफ्लिक्स की फिल्म 'ज्वेल चोर' में नजर आई थीं। निकिता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पोस्ट शेयर कर लिखा, "कोविड मेरी मम्मी और मुझे नमस्ते कहने के लिए आया है। उम्मीद है कि ये बिन बुलाया अतिथि लंबे समय तक हमारे साथ नहीं रहेगा। चाहिए इस छोटे से क्वारंटाइन के बाद आपसे फिर मुलाकात होगी। सुरक्षित रहिए और मास्क पहनिए।" मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निकिता और उनकी मां को माइल्ड सिम्पटम्स आए हैं। इस वक्त दोनों घर पर ही क्वारंटाइन हैं। एहतियात के तौर पर निकिता ने अपनी सभी वर्क कमिटमेंट्स को फिलहाल टाल दिया है। निकिता दत्ता से पहले भी बिग बॉस फेम शिल्पा शिरोडकर की भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। उन्होंने हाल ही में पोस्ट शेयर कर अपने फैंस को अपना हेल्थ अपडेट दिया था। उन्होंने बताया था कि वह पूरी तरह से रिकवर हो चुकी हैं। निकिता दत्ता ने अपने करियर की शुरुआत 2014 में आई फिल्म 'लेकर हम दीवाना दिल' से की थी। हालांकि, पहचान उन्हें टीवी शो 'ड्रीम गर्ल - एक लड़की दीवानी सी' से मिली। इसके बाद उन्हें 'खाकीः द बिहार चैप्टर' और 'The Waking of a Nation' जैसे OTT प्रोजेक्ट्स में देखा गया। हाल ही में वह नेटफ्लिक्स की फिल्म 'ज्वेल थीफ' दिखाई दी थीं।

शाहिद की पत्नी मीरा राजपूत ने रेस्टोरेंट के बिजनेस में क्यों नहीं किया इनवेस्ट

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत भी काफी फेमस हैं और स्टार वाइफ हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। फिलहाल मीरा राजपूत ने खुलासा किया है कि आखिर उन्होंने रेस्टोरेंट के बिजनेस में इनवेस्ट करने से इंकार क्यों किया था। बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत खुद को पूरी तरह शाकाहारी बताती हैं। वह मांसाहारी भोजन से दूर रहती हैं और ऐसा खाना पसंद नहीं करतीं। इसलिए वह ऐसे बिज़नेस से जुड़ना नहीं चाहतीं जहां नॉनवेज परोसा जाए। मीरा राजपूत ने बताया कि उन्होंने एक रेस्टोरेंट में इन्वेस्ट करने का ऑफर ठुकरा दिया था, क्योंकि उन्होंने साफ कहा कि वह शराब नहीं पीतीं। उनकी लाइफस्टाइल और सोच में शराब की कोई जगह नहीं है। इसीलिए वह ऐसे रेस्टोरेंट से खुद को दूर रखना चाहती हैं। मीरा का कहना है कि वह हमेशा सोच-समझकर फैसले लेती हैं। उन्होंने यह फैसला भी बहुत सोचने के बाद लिया था। उन्हें पता था कि यह बिजनेस उनकी सोच से मेल नहीं खाता। उन्होंने कहा कि हर ऑफर सिर्फ नाम या फायदे के लिए नहीं लिया जा सकेता। मीरा बताती हैं कि अगर वो किसी चीज़ से जुड़ती हैं, तो पूरी ईमानदारी से जुड़ना चाहती हैं, सिर्फ ब्रांड वैल्यू बढ़ाने के लिए वो किसी चीज़ में नहीं जातीं। मीरा ने कहा कि उन्हें ऐसे माहौल में रहना पसंद ही नहीं है जहां शराब मिलती हो, इसलिए उन्होंने रेस्टोरेंट में अपने पैसे नहीं लगाए। मीरा अपने सिद्धांतों पर चलती हैं, उन्हें जो सही लगता है, वो वही करती हैं। पैसा ही उनके लिए जरूरी चीज नहीं बोली जा सकती है। मीरा मानती हैं कि ब्रांड से नाम जुड़ने का मतलब होता है उसका हिस्सा बनना। लेकिन वो नहीं चाहती हैं कि उनका नाम गलत चीजों के साथ जुड़े, इसलिए उन्होंने ऑफर मना कर दिया।

पहले ऑपरेशन सिंदूर अब भगवद गीता के श्लोक वाली कैप, ऐश्वर्या राय का कायल हुआ पूरा देश!

कान्स 2025 की धूम है और बच्चन परिवार की बहू ऐश्वर्या राय ने धमाका कर दिया है। कभी वो साड़ी पहनकर सिंदूर लगाती हैं तो लोग चर्चा करने लगते हैं तो कभी कुछ ऐसा कर डालती हैं कि लोग सोच में पड़ जाते हैं। अब उनके दूसरे कान्स लुक ने फिर से लोगों को चर्चा करने पर मजबूर कर दिया है। दरअसल इस बार उन्होने ब्लैक कलर की शानदार ड्रेस पहनी थी और इसमें उन्होने सिल्वर कलर का कैप पहनी हुई थी। लोगों की निगाहें कैप पर तब अटक गईं जब कंधे के हिस्से में उनकी नजर पड़ी। इस कैप में भगवद गीता का श्लोक लिखा था। कान्स में जाकर इस तरह से धमाका करने के बाद ऐश्वर्या राय की जमकर तारीफ हो रही है। लोगों का कहना है कि अपने कल्चर को दुनिया के सामने रखना कोई ऐश्वर्या राय से सीखे। ऐश्वर्या की इस कैप पर लिखा था, 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। इसके पहले ऐश्वर्या राय बच्चन ने साड़ी पहनकर कान्स में एंट्री मारी थी। इस दौरान उन्होने मांग में सिंदूर लगाया था और तस्वीर के कई मायने निकाले जा रहे थे। किसी का कहना था कि ऑपरेशन सिंदूर को ग्लोरीफाई कर रहीं हैं तो किसी ने कहा था कि वो अपने रिश्ते की अफवाहों को खत्म कर रही हैं। दरअसल कुछ समय से अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की तलाक की खबरें आ रहीं थीं। इस लुक के बाद ऐश ने पूरी दुनिया में ऐलान कर दिया है कि उनका रिश्ता पूरी तरह से सुरक्षित है। देखने वाली बात होगी कि इस लुक को लेकर अभिषेक बच्चन का रिएक्शन कब आता है। फिलहाल वो आराध्या के साथ कान्स के लिए पहुंची हैं। ऐश्वर्या राय बच्चन बॉलीवुड की वो अदाकारा हैं जो कि शायद सबसे ज्यादा बार कान्स फिल्म फेस्टिवल के लिए आई होंगी।

डिश टीवी ने लॉन्च किया डिश स्मार्ट+, अब टीवी और ओटीटी का मज़ा एक साथ वो भी बेहद स्मार्ट तरीके से!

अपने दर्शकों को बेहतरीन मनोरंजन अनुभव देने के मिशन पर काम करते हुए, डिश टीवी एक बार फिर नए मुकाम पर पहुंचा है। पिछले साल अपने फ्लैगशिप प्रोडक्ट की कामयाब लॉन्च के बाद, अब कंपनी एंड्रॉयड टीवी यूज़र्स के लिए लेकर आई है नया और स्मार्ट डिश स्मार्ट+ अनुभव।

यह डिवाइस आपके लिए लाइव टीवी चैनल्स और पॉप्युलर ओटीटी ऐप्स को एक ही स्क्रीन पर साथ लेकर आता है। एंड्रॉयड और गूगल टीवी पर आसानी से काम करने वाला यह डिवाइस आपके नॉर्मल टीवी को एक इंटेलिजेंट एंटरटेनमेंट हब में बदल देता है। इसकी यूनिफाइड इंटरफेस के जरिए दर्शक अब एक ही जगह पर टीवी और स्ट्रीमिंग कंटेंट का मज़ा ले सकते हैं वो भी बिना किसी झंझट के।

स्मार्ट+ के साथ अब कई रिमोट रखने की ज़रूरत नहीं है। सिर्फ अपने टीवी रिमोट से ही आप चैनल्स और ओटीटी ऐप्स के बीच आसानी से स्विच कर सकते हैं। न अलग डिवाइस, न इनपुट बदलने की ज़रूरत, सब कुछ एक साथ वो भी आसान सेटअप में।

इस डिवाइस में कई काम की सुविधाएं भी हैं जैसे अपने पसंदीदा चैनलों की लिस्ट बनाएं, शो के लिए रिमाइंडर सेट करें और बच्चों के लिए सेफ व्यूइंग के लिए पेरेंटल कंट्रोल का भी ऑप्शन है। इसका सरल और सहज इंटरफेस, कंटेंट ढूंढने की क्रिया को आसान बना देता है और चैनल नंबर याद रखने की टेंशन भी नहीं होती। आप आने वाले शोज़ की झलक थंबनेल्स और बैनर्स के ज़रिए पहले से देख सकते हैं।

कॉम्पैक्ट और पोर्टेबल डिजाइन के चलते स्मार्ट+ किसी भी होम एंटरटेनमेंट सेटअप में आसानी से फिट हो जाता है। यह हल्का है, स्टाइलिश है और इसे कहीं भी ले जाना बेहद आसान है।आज के मॉडर्न घरों के लिए यह बिलकुल परफेक्ट है। सबसे अहम बात, यह आपको कंटेंट देखने का एक स्मार्ट और पर्सनल तरीका देता है।

डिश टीवी इंडिया लिमिटेड के सीईओ और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री मनोज डोभाल ने कहा, 'डिश स्मार्ट+ मनोरंजन की दुनिया में इनोवेशन लाने की हमारी निरंतर कोशिश का एक अहम हिस्सा है। यह डिवाइस पारंपरिक टीवी और ओटीटी के बेहतरीन इंटीग्रेशन की दिशा में एक बड़ा कदम है। आज के डिजिटल दर्शकों की बदलती ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया यह प्रोडक्ट एंटरटेनमेंट के भविष्य को दर्शाता है। स्मार्ट+ के लॉन्च के साथ हम सुविधाजनक और आसान एंटरटेनमेंट एक्सेस को एक नए मुकाम पर ले जा रहे हैं और अपने ग्राहकों के लिए एकीकृत, नेक्स्ट-जेन सॉल्यूशंस देने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहे हैं।"

डिश स्मार्ट+ डिवाइस डिश टीवी की ऑफिशियल वेबसाइट, फ्लिपकार्ट और देशभर के प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होगा। अब टीवी चैनल्स और ओटीटी ऐप्स का आनंद लें, सिर्फ एक ही स्मार्ट, आसान और सटीक डिवाइस के साथ।

इंग्लैंड दौरे के लिए शमी के नाम पर विचार नहीं? अर्शदीप और इस हरियाणवी गेंदबाज को मिल सकता है मौका

एजेंसी ● मुंबई

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम और नए टेस्ट कप्तान के नाम का एलान शनिवार को हो सकता है। इसी दिन चयनकर्ता टीम की भी घोषणा कर सकते हैं। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, दिग्गज गेंदबाज मोहम्मद शमी को इस दौरे से दूर रखा जा सकता है। उनकी जगह अर्शदीप सिंह और हरियाणा के अंशुल कंबोज को मौका मिल सकता है। कंबोज पहले से ही इंग्लैंड दौरे पर जा रही भारत-ए टी में शामिल हैं।दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि सनराइजर्स हैदराबाद से खेल रहे शमी ने चोट से वापसी के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छोटे-छोटे स्पेल डाले हैं या अधिकतम 10 ओवर गेंदबाजी की है। ऐसे में बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति को बताया है कि शमी टेस्ट मैच में पूरी जान के साथ बहुत सारे ओवर करने के लिए तैयार नहीं हैं। ऐसे में उनके चुने जाने पर संशय है। शमी इस सीजन सनराइजर्स के लिए भी कुछ खास नहीं कर पाए हैं। उन्होंने इस सत्र में नौ मैच खेले और सिर्फ छह विकेट लिए। शमी ने 11.23 की इकोनॉमी रेट से रन दिए।अखबार ने एक सूत्र के हवाले से कहा, 'शमी आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए चार ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं, लेकिन बोर्ड और चयनकर्ता यह नहीं जानते कि वह एक दिन में 10 ओवर से अधिक गेंदबाजी कर सकते हैं या नहीं। इंग्लैंड में टेस्ट मैचों में तेज गेंदबाजों से लंबे स्पैल की मांग हो सकती है और हम कोई जोखिम नहीं उठा सकते।' रिपोर्ट का दावा है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को इस सीरीज के दौरान अपना पहला टेस्ट मैच खेलने का मौका मिल सकता है। हरियाणा के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज, जिन्होंने 22 प्रथम श्रेणी मैचों में 74 विकेट लिए हैं, भी टीम में शमी की जगह लेने के लिए उम्मीदवारों में से एक हैं। दरअसल, कंबोज को पहले ही इंडिया ए के इंग्लैंड दौरे के लिए चुना जा चुका है। कंबोज लोअर ऑर्डर में बल्लेबाजी भी कर सकते हैं।

राष्ट्रीय चयन समिति 24 मई को मुंबई में मुलाकात करेगी और तभी नए कप्तान के नाम का और टीम का एलान हो सकता है। शुभमन गिल कप्तान बनने की रेस में सबसे आगे हैं, जबकि जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत भी इस रेस में हैं। इंग्लैंड दौरे के लिए चुने जाने वाले ज्यादातर खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए खिलाड़ी ही हो सकते हैं। हालांकि, इसमें एक दो ट्विस्ट या यूं कहें नए नाम देखने को मिल सकते हैं। अर्शदीप और कंबोज के अलावा साई सुदर्शन और करुण नायर को भी मौका मिल सकता है। नायर ने रणजी ट्रॉफी में नौ मैचों में 863 रन बनाए थे। इसमें चार शतक शामिल हैं। वहीं, विजय हजारे ट्रॉफी में आठ मैचों में 779 रन बनाए थे। इसमें पांच शतक शामिल हैं।

इंग्लैंड दौरे के लिए यह हो सकती है संभावित टीमः शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, साई सुदर्शन, सरफराज खान, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, नीतीश रेड्डी, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, हर्षित राणा, शार्दुल ठाकुर/अंशुल कंबोज, कुलदीप यादव।

घर पर लगातार चौथी जीत के बाद गुजरात टाइटंस की पहली हार

एजेंसी ● अहमदाबाद

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने गुजरात टाइटंस को 33 रन से हराकर सत्र की छठी जीत दर्ज की। गुरुवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने 20 ओवर में दो विकेट खोकर 235 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट खोकर 202 रन ही बना पाई।

यह गुजरात की घर पर लगातार चार जीत के बाद पहली शिकस्त है। लखनऊ के लिए विलियम ओरुर्के ने तीन विकेट लिए जबकि आवेश खान और आयुष बडोनी को दो-दो सफलताएं मिलीं। वहीं, आकाश सिंह और शाहबाज अहमद ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात की शुरूआत अच्छी हुई थी। साई सुदर्शन और शुभमन गिल के बीच 46 रनों की साझेदारी हुई, जिसे विलियम ओरुर्के ने तोड़ा। उन्होंने सुदर्शन को अपना शिकार बनाया। वह 16 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आवेश खान ने कप्तान गिल को पवेलियन की राह दिखाई।

वह 35 रन बना पाए। वहीं, जोस बटलर 18 गेंदों में 33 रन बना पाए। इसके बाद चौथे नंबर पर आए शेरफेन रदरफोर्ड ने शाहरुख खान के साथ पारी को संभाला। दोनों ने 40 गेंदों में 86 रन जोड़े। रहदरफोर्ड 38 और शाहरुख 57 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, दोनों अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। उनके अलावा राहुल तेवतिया ने दो, अरशद खान ने एक, कगिसो रबाडा ने दो और साई किशोर ने एक रन बनाया। वहीं, राशिद खान चार रन बनाकर नाबाद रहे।

लखनऊ के खिलाफ हार से गुजरात को नुकसान अब आरसीबी शीर्ष-दो की प्रबल दावेदार

एजेंसी ● अहमदाबाद

आईपीएल 2025 में प्लेऑफ की चार टीमें तय हो चुकी हैं। गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है और अब जंग शीर्ष दो में जगह बनाने को लेकर है। शीर्ष दो में रहने वाली टीमों को फायदा मिलता है। ऐसे में चारों टीमें शीर्ष पर लीग राउंड को खत्म करने की कोशिश करेंगी। हालांकि, गुरुवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ गुजरात टाइटंस की हार ने बेंगलुरु और पंजाब की उम्मीदें जगा दी हैं। अब गुजरात की टीम अधिकतम 20 अंक तक पहुंच सकती है, जबकि आरसीबी और पंजाब अधिकतम 21-21 अंक तक पहुंच सकती है। मुंबई की टीम चाहेगी कि बेंगलुरु और पंजाब अपने-अपने दोनों मैच हार जाएं ताकि उनके लिए शीर्ष दो का रास्ता खुल जाए।प्लेऑफ लेग की शुरूआत 29 मई से होने जा रही है। इस साल क्वालिफायर-एक 29 मई को मोहाली में खेला जाएगा। वहीं, एलिमिनेटर 30 मई को मोहाली में ही खेला जाएगा। एक जून को अहमदाबाद में क्वालिफायर-दो खेला जाना है, जबकि तीन जून को अहमदाबाद में ही फाइनल खेला जाएगा। क्वालिफायर-एक में अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीमें भिड़ती हैं। इस मैच को जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचती है, जबकि हारने वाली टीम को एक और मौका मिलता है।

क्वालिफायर-एक के बाद एलिमिनेटर खेला जाता है। यह अंक तालिका में तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच खेला जाता है। यह एक नॉकआउट मैच होता है। हारने वाली टीम आईपीएल से बाहर हो जाती है, जबकि जीतने वाली टीम को क्वालिफायर-एक में हारने वाली टीम के साथ क्वालिफायर-दो में भिड़ना होता है। इस मैच को जीतने वाली टीम क्वालिफायर-एक को जीतने वाली टीम से फाइनल में भिड़ती है, जबकि हारने वाली टीम आईपीएल से बाहर हो जाती है। तीन जून को इस साल का विजेता मिल जाएगा।

2022 की चैंपियन गुजरात ने शुभमन गिल की कप्तानी में शानदार खेल दिखाया है। टीम ने 13 में से नौ मैच जीते हैं और सिर्फ चार मैचों में टीम को हार मिली है। गुजरात के 18 अंक हैं। उसका नेट रन रेट +0.602 है। टीम का लीग राउंड का आखिरी मैच चेन्नई सुपर किंग्स (25 मई) के खिलाफ है। हालांकि, लखनऊ के खिलाफ हार ने गुजरात को संशय में डाल दिया है। अब शीर्ष स्थान पक्की करना उनके हाथ में नहीं है। उन्हें दूसरी टीमों पर निर्भर रहना होगा। अगर नतीजे उनके पक्ष में गए तो ही शीर्ष स्थान मिल पाएगा। सीएसके के खिलाफ भी मैच हारने पर गुजरात की टीम पर तीसरे या चौथे स्थान पर रहने का खतरा रहेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि आरसीबी और पंजाब के दोनों मैच जीतने पर 21-21 अंक होंगे और शीर्ष दो स्थान पर कब्जा कर लेगी, जबकि गुजरात के 18 अंक ही रह जाएंगे।

पंजाब अगर अपना आखिरी मैच मुंबई से हार जाती है और एक मैच जीतने में कामयाब रहती है, फिर भी उसके 19 अंक होंगे और शीर्ष दो में स्थान बनाने के लिए काफी होगा। यह तभी संभव है जब गुजरात अपने दोनों मैच हारे। अगर गुजरात की टीम सीएसके के खिलाफ जीतती है तो उसके 20 अंक होंगे। इस स्थिति में गुजरात की टीम चाहेगी कि पंजाब या बेंगलुरु में से कोई एक या दोनों अपने-अपने एक-एक मैच गंवा दे। फिर गुजरात के 20 अंक सबसे ज्यादा होंगे। वहीं, आरसीबी-पंजाब में से कोई एक टीम या दोनों अधिकतम 19-19 अंक तक पहुंच पाएगी।गुजरात की तरह आरसीबी को भी अपने दो मैच दो आउट ऑफ फॉर्म टीमों के खिलाफ खेलने हैं। आरसीबी के फिलहाल 12 मैचों में आठ जीत के साथ 17 अंक हैं। टीम ने तीन मैच गंवाए हैं, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा। नए कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। उसका नेट रन रेट +0.482 है। आरसीबी को अब लीग राउंड में 23 मई को सनराइजर्स हैदराबाद और 27 मई को लखनऊ सुपर जाएंट्स का सामना करना है। दोनों मैच जीतने पर टीम का शीर्ष दो में स्थान पक्का हो जाएगा। हालांकि, टीम अगर एक मैच जीतती है और पंजाब भी एक मैच ही जीतने में कामयाब रहती है तो उन्हें पंजाब से टक्कर मिल सकती है। ऐसे में बेहतर रन रेट वाली टीम अंतिम दो स्थान पर समाप्त करेगी। आरसीबी की टीम जिस फॉर्म में चल रही है, उसके शीर्ष दो में समाप्त करने की संभावना पंजाब से ज्यादा है। हालांकि, बेंगलुरु की टीम अगर मैच भी हारती है और पंजाब अपने दोनों मैच और गुजरात अपने एक मैच जीतती है तो बेंगलुरु को तीसरे स्थान पर समाप्त करना पड़ेगा।

पंजाब ने अभी तक श्रेयस अय्यर की कप्तानी और रिकी पोंटिंग की कोचिंग में शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने अभी तक 12 में से आठ मैच जीते हैं और तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच बेनतीजा रहा। टीम के 17 अंक हैं और नेट रन रेट +0.389 है। पंजाब को अपने दो आखिरी लीग राउंड के मुकाबले दिल्ली कैपिटल्स (24 मई) और मुंबई इंडियंस (26 मई) के खिलाफ खेलने हैं। दोनों मैच जीतने पर टीम का शीर्ष दो में स्थान पक्का हो जाएगा।

मिनेसोटा टिम्बरवॉल्स के गार्ड एंथनी एडवर्ड्स (बीच में), ओक्लाहोमा सिटी थंडर के फॉरवर्ड चेत होल्मग्रेन (बाएं) और गार्ड शाई गिलगियस-अलेक्जेंडर के खिलाफ ओक्लाहोमा सिटी में एनबीए बास्केटबॉल वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल प्लेऑफ सीरीज के गेम 2 के दूसरे हाफ के दौरान बास्केट के लिए आगे बढ़ते हैं।

गुजरात-लखनऊ मुकाबले के बाद शुभमन गिल ने ऋषभ पंत को किया अनदेखा?

एजेंसी ● अहमदाबाद

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने आखिरकार जीत का स्वाद चखा। गुरुवार को टीम ने टेबल टॉपर गुजरात टाइटंस को 33 रन से हरा दिया। हालांकि, इस मैच से ज्यादा मैच के बाद दोनों कप्तानों के बीच जो कुछ हुआ, वह चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल, मैच के बाद लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत और गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने हाथ तो मिलाया, लेकिन वीडियो देखने से लगा कि गिल पंत को अनदेखा कर आगे निकल गए। तब पंत उनसे कुछ बोल रहे थे, लेकिन गिल उसके लिए रुके नहीं और आगे बढ़ गए। रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास के बाद ये दोनों खिलाड़ी सबसे लंबे प्रारूप में भारत की कप्तानी के भी दावेदार हैं। ऐसे में दोनों के बीच जो कुछ हुआ, वह कप्तानी को लेकर तकरार था या कुछ और, फैंस सोशल मीडिया पर इसको लेकर जमकर कमेंट कर रहे हैं। उन्होंने गिल के बर्ताव की आलोचना की है।

लखनऊ प्लेऑफ की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी है, जबकि गुजरात क्वालिफाई कर चुकी है। ऐसे में गिल का पंत को अनदेखा करना फैंस को बर्दाश्त नही हो रहा है। गिल और पंत दोनों भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य खिलाड़ी हैं। दोनों में से एक का कप्तान बनना और एक का उपकप्तान बनना तय माना जा रहा है। इसकी घोषणा भी 24 मई यानी शनिवार को हो जाएगी। साथ ही इंग्लैंड दौरे के लिए भी टीम का एलान किया जाएगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद यह भारत की पहली टेस्ट सीरीज है। माना जा रहा है कि चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर टीम की घोषणा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें 16 या 17 सदस्य होंगे।

कप्तान शुभमन ने की आशीष नेहरा की तारीफ

अहमदाबाद। आईपीएल 2025 में गुरुवार को गुजरात टाइटंस को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इससे अंक तालिका पर कोई फर्क नहीं पड़ा और गुजरात की टीम अभी भी शीर्ष पर है। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने मौजूदा आईपीएल में टीम के शानदार प्रदर्शन का श्रेय मुख्य कोच आशीष नेहरा के खिलाड़ियों के साथ शानदार संवाद को दिया और कहा कि पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज को पता था कि टीम को कैसे तैयार करना है ।गिल ने टीम की पहचान बनाने और गेंदबाजी इकाई को सशक्त बनाने का श्रेय पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज नेहरा को दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि जब गुजरात टाइटंस पहले साल में खेल रही थी तब आशीष नेहरा के पास एक स्पष्ट दृष्टिकोण था> वह जानते थे कि वह टीम को कैसे तैयार करना चाहते हैं और खिलाड़ियों की भूमिकाएं कैसे परिभाषित करना चाहते हैं। मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह खिलाड़ियों के साथ उनका संवाद बेहतरीन रहा है।'उन्होंने कहा, 'हमेशा ऐसे विभाग होते हैं जिनमें सुधार किया जा सकता है।

रजत पाटीदार की जगह जितेश शर्मा संभाल रहे आरसीबी की कमान

लखनऊ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच लखनऊ के अटल विहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम पर आईपीएल 2025 का 65वां मुकाबला खेला जा रहा है। आरसीबी की टीम पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है, लेकिन उसकी नजरें शीर्ष दो पर जगह मजबूत करने पर टिकी हुई हैं। दूसरी ओर, सनराइजर्स की टीम इस मुकाबले में प्रतिष्ठता बचाने के इरादे से खेल रही है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। आरसीबी के नियमित कप्तान रजत पाटीदार इस मुकाबले में नहीं खेल रहे हैं और उनकी जगह जितेश शर्मा कमान संभाल रहे हैं। यह पहली बार है जब जितेश आरसीबी की कप्तानी कर रहे हैं। इससे पहले, वह पंजाब किंग्स के लिए सनराइजर्स के खिलाफ ही कप्तानी कर चुके हैं। जितेश ने टॉस के दौरान बताया कि पाटीदार इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलेंगे, जबकि देवदत्त पडिक्कल की जगह मयंक अग्रवाल को को टीम में शामिल किया गया है।

पाटीदार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ घरेलू मैच के दौरान अंगुली में चोट लगी थी। सनराइजर्स के खिलाफ मुकाबले से पहले आरसीबी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने बताया था कि अब पाटीदार पूरी तरह फिट हैं, लेकिन उनका मैच में नहीं खेलना यह दशार्ता है कि पाटीदार को पूरी तरह वापसी करने में समय लग सकता है। हालांकि, यह भी हो सकता है कि आरसीबी टीम प्रबंधन प्लेऑफ से पहले पाटीदार को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाह रही हो। पाटीदार इम्पैक्ट सब खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं। सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस ने बताया कि उन्होंने इस मुकाबले के लिए प्लेइंग-11 में तीन बदलाव किए हैं।

टीम के विस्फोटक ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड की टीम में वापसी हो गई है, जबकि अभिनव मनोहर और जयदेव उनादकट को भी जगह मिली है। हेड कोविड-19 से संक्रमित हो गए थे जिस कारण पिछले मुकाबले में नहीं खेल सके थे। हेड के वापस आने से सनराइजर्स का बल्लेबाजी क्रम मजबूत हो गया है। सनराइजर्स हैदराबादः अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, हेनरिच क्लासेन, अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, पैट कमिंस (कप्तान), हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा। इम्पैक्ट सबः मोहम्मद शमी, हर्ष दुबे, सचिन बेबी, जीशान अंसारी, सिमरजीत सिंह।

बैडमिंटन कोर्ट में खिलाड़ी की संदिग्ध मौत, एडमिशन के लिए पहुंचा था हिमांशु, जांच में जुटी पुलिस

खेल संवाददाता ● रायपुर

राजधानी रायपुर स्थित सप्रे शाला जिला बैडमिंटन कोर्ट से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आई है. आज सुबह एडमिशन के लिए डेमो लेने पहुंचे खिलाड़ी की संदिग्ध मौत हो गई. जानकारी के मुताबिक हिमांशु श्रीवास्तव उम्र 35 वर्षीय भिलाई सेक्टर-04 का निवासी था. युवक की मौत हार्ट अटैक से होने की आशंका जताई जा रही है. सूचना पर पहुंची पुलिस ने पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है. यह पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है.

कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान भिलाई निवासी हिमांशु श्रीवास्तव के रूप में हुई है. वह रायपुर में अपनी पत्नी के साथ रह रहा था. आज सुबह युवक पहली बार सप्रे बैडमिंटन एकेडमी पहुंचा था. उसने वहां मौजूद खिलाड़ियों से बैडमिंटन खेलने की इच्छा जताई, जिसे खिलाड़ियों ने स्वीकार कर लिया. कुछ देर तक खेल में भाग लेने के बाद वह थककर कोर्ट के बाहर आकर बैठा और अचानक जमीन पर गिर पड़ा.

घटना के तुरंत बाद मौजूद खिलाड़ियों ने उसे डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल (मेकाहारा) पहुंचाया, लेकिन डाक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. फिलहाल युवक की मौत को संदिग्ध माना जा रहा है और उसकी मौत के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है.

सुबह 8 से 9 के बीच आया था खिलाड़ी

जानकारी के अनुसार, खिलाड़ी सुबह 8 से 9 बजे के बीच पहुंचा था. वह इस बैच में शामिल होने की इच्छा जताई थी. इसके बाद वह 8.30 बजे कुछ देर तक खेलने के बाद बैठ गया. इसके बाद अचानक बैठ गया. कुछ देर बाद वह अचानक ही गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई.

अभी सिर्फ आईपीएल पर ध्यान लगा रहे हैं साई सुदर्शन, इंग्लैंड दौरे के लिए चयन पर फोकस नहीं

एजेंसी ● अहमदाबाद

सुदर्शन इंग्लैंड दौरे के लिये भारत ए टीम में चयन से खुश हैं, लेकिन फिलहाल उनका पूरा फोकस आईपीएल क्वालिफायर और फाइनल पर टिका है।आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस की टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। टीम फिलहाल अंक तालिका में शीर्ष पर है। इस टीम के लिए एक और खुशखबरी यह है कि कप्तान शुभमन गिल को टेस्ट प्रारूप में भारतीय टीम का कप्तान बनाया जा सकता है। इसके अलावा साई सुदर्शन को भी इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में चुना जा सकता है। सुदर्शन को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय-ए टीम में भी शामिल किया गया है। सुदर्शन इंग्लैंड दौरे के लिये भारत ए टीम में चयन से खुश हैं, लेकिन फिलहाल उनका पूरा फोकस आईपीएल क्वालिफायर और फाइनल पर टिका है। सर्रे के लिए खेलकर एक शतक जमा चुके 23 वर्ष के सुदर्शन हाल फिलहाल में शानदार फॉर्म में रहे हैं और खूब रन बना रहे हैं। उन्होंने गुरुवार को मीडिया से कहा, 'मानसिक तौर पर पहले हमें आईपीएल पर फोकस करना है। एक बार वह खत्म हो जाए फिर भारत ए दौरे के बारे में सोचेंगे, लेकिन मुझे खुशी है कि यह मौका मिला और मुझे यकीन है कि प्रदर्शन अच्छा रहेगा।'अभी तक 13 मैचों में 638 रन बनाकर आरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर काबिज सुदर्शन ने कहा, 'इस समय सबसे अहम शीर्ष दो में रहना है ताकि हमें अतिरिक्त मौका (दूसरा क्वालीफायर खेलने का) मिल सके।' उन्होंने कहा, 'फोकस उसी पर है। इन 13 मैचों में काफी कुछ सीखा है और कमियों पर मेहनत करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम प्लेऑफ के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।'सुदर्शन इस सीजन गजब का प्रदर्शन किया है और 600 से ज्यादा रन बना चुके हैं। उन्होंने 2022 में आईपीएल डेब्यू किया था और तब से चार सीजन में दो बार 500 से ज्यादा रन बना चुके हैं। विराट कोहली मौजूदा समय में भारत और आईपीएल के सबसे दिग्गज बल्लेबाज माने जाते हैं। हालांकि, कोहली को भी दो बार आईपीएल में 500+ का आंकड़ा पार करने में छह साल लग गए थे। इस सीजन अब तक वह 13 मैचों में 53 की औसत और 156 के स्ट्राइक रेट से 638 रन बना चुके हैं। इसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल है। अभी यह सीजन खत्म नहीं हुआ है और गुजरात की टीम प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। ऐसे में सुदर्शन के पास इस आंकड़े को और आगे ले जाने का मौका है।

ऑस्ट्रेलिया में भारी बारिश के चलते आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, लोग परेशान है कई इलाकों में पीने के पानी की भी समस्या होने लगी है। इसके चलते सरकार लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने में लगी हुई है।

शॉट न्यूज

चीन में भूस्खलन से 4 की मौत, 17 फंसे

बीजिंग। चीन के दक्षिण-पश्चिमी गुइझोउ प्रांत के एक ग्रामीण इलाके में कल हुए भीषण भूस्खलनों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि 17 लोग अब भी मलबे में फंसे हुए हैं। यह जानकारी चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने दी। जानकारी के मुताबिक चांगशी टाउनशिप में दो शव बरामद किए गए, जबकि पास के किंगयांग गांव में दो और शव मिले। किंगयांग में हुए भूस्खलन ने आठ परिवारों के 19 लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भूस्खलन के बाद गुओवा टाउनशिप के अधिकांश हिस्से में बिजली आपूर्ति ठप हो गई।

ताजिकिस्तान में आया 5.9 तीव्रता का भूकंप

सुमात्रा। इंडोनेशिया में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि इंडोनेशिया के दक्षिणी सुमात्रा में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। वहीं, नेपाल में भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए हैं। GFZ आज तड़के बताया कि भूकंप 10 किलोमीटर (6.21 मील) की गहराई पर आया था। अभी तक किसी के घायल होने या हताहत होने की कोई खबर नहीं है। हालांकि, अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, इंडोनेशिया-नेपाल के बाद अब ताजिकिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। ताजिकिस्तान में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 मापी गई है।

महिला टीचर ने स्टूडेंट के साथ बनाए संबंध

टेक्सास। अमेरिका के टेक्सास की एक महिला टीचर ने अपने स्टूडेंट के साथ ही सेक्स संबंध बना लिए। इससे भी अधिक शर्मनाक बात यह है कि वह महिला स्टूडेंट को 'अपने छोटे भाई' की तरह बताती थी। दोनों ने एक बार ट्रक में भी यौन संबंध बनाए। फिर बाद में मामला खुलने के बाद टीचर पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उसे स्कूल से निकाल दिया गया और गिरफ्तारी भी हुई। डेरियन क्रिस्टीन रोजर्स नामक यह महिला पहली बार लड़के से एक किराने की दुकान पर मिली थी, जहां उस समय दोनों काम करते थे। इसके बाद वह ऑस्टिन के उत्तर में एक उपनगर लिएंडर में राउज हाई स्कूल में बतौर टीचर काम करने लग गई। यहीं पर स्टूडेंट भी पढ़ने लगा।

चटगांव-राखिन कॉरिडोर को लेकर सरकार-सेना में तकरार

आम सहमति न बनने से बांग्लादेश में अंतरिम सरकार दे सकती हैं इस्तीफा

एजेंसी ● ढाका/नई दिल्ली

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर डॉ। मोहम्मद यूनुस इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति नहीं बन पाने के कारण काम करना मुश्किल हो रहा है। बीबीसी बांग्ला सर्विस ने कल देर रात छात्र नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख एनहिद इस्लाम के हवाले से यह जानकारी दी।

तकरार

इस्लाम ने बीबीसी बांग्ला को बताया, 'हम आज सुबह से ही सर (यूनुस) के इस्तीफे की खबर सुन रहे हैं। इसलिए मैं इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए उनसे मिलने गया था। उन्होंने कहा कि वह इस बारे में सोच रहे हैं। यूनुस ने आशंका जताई है कि जब तक राजनीतिक दल सहमति नहीं बना लेते, वह काम नहीं कर पाएंगे।' बांग्लादेश में बीते दो दिनों से अंतरिम सरकार और सेना के बीच टकराव खुलकर सामने आ गया है। आर्मी चीफ जनरल वकार-उज-जमा ने कल सैन्य मुख्यालय में अपने अधिकारियों को संबोधित करते हुए स्पष्ट कहा कि आम चुनाव इस साल दिसंबर से आगे नहीं टलने चाहिए।

आर्मी चीफ ने चेतावनी दी कि यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार के पास संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर निर्णय लेने का कोई नैतिक या संवैधानिक अधिकार नहीं है। रखाइन कॉरिडोर के मुद्दे पर सेना मार्च से ही कह रही है कि हमारी सहमति के बिना इसे बनाना अवैध है। दरअसल, बांग्लादेश में म्यांमार सीमा पर रखाइन जिले में मानवीय गलियारा बनाने की कथित योजना को लेकर सेना और सरकार आमने-सामने है। बांग्लादेश के विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन ने घोषणा की थी कि अंतरिम सरकार ने अमेरिका की तरफ से प्रस्तावित रखाइन कॉरिडोर पर सहमति व्यक्त कर दी है। जब यह बात सेना को पता चली तो उनकी तरफ से नाराजगी जताई गई। आर्मी चीफ वकार ने दो दिन पहले इसे खूनी कॉरिडोर बताया और अंतरिम सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि बांग्लादेश की सेना कभी भी किसी ऐसी गतिविधि में शामिल नहीं होगी जो संप्रभुता के लिए हानिकारक हो। न ही किसी को ऐसा करने की इजाजत दी जाएगी। इसके बाद यूनुस सरकार ने यू-टर्न लेते हुए कहा कि उन्होंने किसी भी देश के साथ म्यांमार सीमा पर रखाइन कॉरिडोर को लेकर समझौता नहीं किया है।

खालिदा जिया ने भी दिसंबर में चुनाव कराने की मांग दोहराई

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) ने भी यूनुस पर दबाव बढ़ाते हुए दिसंबर में चुनाव कराने की मांग दोहराई है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार जल्द चुनावी रोडमैप तैयार कर इसकी सार्वजनिक घोषणा नहीं करती, तो उनका सरकार के साथ सहयोग जारी रखना मुश्किल हो जाएगा। अंतरिम सरकार के प्रमुख यूनुस ने अब तक चुनावों को जनवरी-जून 2026 के बीच कराने की बात कही है। सेना इसे दिसंबर 2025 से आगे खींचने को लेकर नाराज है। इसके चलते आगे टकराव तेज हो सकते हैं।यूनुस के अलावा कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी भी चुनाव टालने के पक्ष में हैं। सूत्रों से संकेत मिल रहे हैं कि सरकार को पांच साल तक बने रहने की उम्मीद थी, जिसे सेना-छात्रों के दबाव ने गंभीर संकट में डाल दिया है। गृह मंत्रालय के सलाहकार भी कह चुके हैं कि जनता चाहती है कि यह सरकार पांच साल तक बनी रहे।सैन्य अधिकारियों ने यहां तक कहा कि अगर सरकार जिद पर अड़ी रही, तो हालात बेकाबू हो सकते हैं।

वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने जताई नाराजगी

तिरुपति मंदिर परिसर में नमाज पढ़ता रहा शख्स

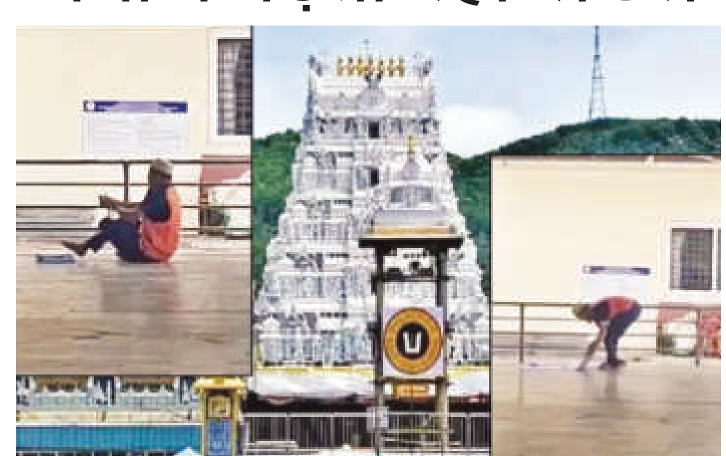

एजेंसी ● तिरुमाला

तिरुमाला में हिंदू मंदिर के पास हजरत टोपी पहनकर नमाज अदा करने का वीडियो सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। लोगों का कहना है कि मंदिर के परिसर में नमाज पढ़ने से उनकी भावनाएं आहत हुई हैं। तिरुमाला कल्याण मंडपम के पास इस तरह से नमाज पढ़ने को लेकर लोग विरोध कर रहे हैं। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने वायरल वीडियो सामने आने के बाद जांच शुरू कर दी है।

बवाल

एक प्रत्यक्षदर्शी ने दावा किया कि शख्स लगभग 10 मिनट तक आराम से नमाज पढ़ता रहा। इसपर बहुत लोगों को आपत्ति थी लेकिन किसी ने विरोध नहीं किया। सीसीटीवी फुटेज में नमाज पढ़ने वाले शख्स का चेहरा भी दिखा है। इसके अलावा उसकी कार का नंबर भी ट्रैक भी नोट कर लिया गया है। इसके जरिए शख्स की तलाश करने की कोशिश की जा रही है। घटना के बाद इस तरह के संवेदनशील धार्मिक स्थान की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद श्रद्धालु बुरी तरह भड़के हैं। उनका कहना है कि थोड़े दिन पहले ही पहलगाम में आतंकी हमला हुआ है। इस तरह से मंदिर परिसर में नमाज अदा करना सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करता है। टीटीडी इस मामले को सुलझाने में लगा हुआ है।

इस घटना को धार्मिक उकसावे के रूप में देखा जा रहा है। टीटीडी ने भी माना है कि यह मंदिर के नियमों का उल्लंघन है। बता दें कि तिरुपति के भक्तों में पहलगाम हमले को लेकर पहले से ही आक्रोश है। टीटीडी ने कहा है कि वीडियो के आधार पर व्यक्ति की पहचान की जा रही है। भक्तों की भावनाओं का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

ट्रम्प प्रशासन का फैसला

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में विदेशी छात्रों के एडमिशन पर रोक

संवाददाता ● न्यूयॉर्क

अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की विदेशी स्टूडेंट्स को एडमिशन देने की योग्यता रद्द कर दी है। अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने कल देर रात होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) को हार्वर्ड के स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विजिटर प्रोग्राम (एसईवीपी) का सर्टिफिकेशन तत्काल प्रभाव से रद्द करने का आदेश दिया। विदेशी स्टूडेंट्स को एडमिशन देने की योग्यता वापस पाने के लिए हार्वर्ड को 72 घंटों में मौजूदा बाहरी स्टूडेंट्स की जानकारी देनी होगी। अभी यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे सभी विदेशी छात्रों को दूसरे संस्थानों में ट्रांसफर लेने के लिए कहा गया है। नहीं तो उन्हें देश छोड़ना पड़ सकता है। बीते कुछ दिनों से हार्वर्ड और सरकार के बीच विदेशी छात्रों से जुड़े रिकॉर्ड को लेकर खींचतान चल रही थी। डीएचएस ने अप्रैल में कहा था कि अगर हार्वर्ड ने 30 अप्रैल तक विदेशी स्टूडेंट्स के अवैध और हिंसक मामलों का पूरा रिकॉर्ड नहीं दिया, तो उसका एसईवीपी सर्टिफिकेशन छीन लिया जाएगा। यूनिवर्सिटी ने जो रिकॉर्ड दिया था, उससे प्रशासन संतुष्ट नहीं है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में लगभग 27% बाहरी छात्र हैं। वहां अभी लगभग 6,800 विदेशी स्टूडेंट्स पढ़ रहे हैं। इनमें भारत के 788 छात्र हैं। ज्यादातर स्टूडेंट्स एफ-1 या जे-1 वीजा पर हैं। एफ-1 वीजा अमेरिकी शैक्षणिक संस्थान में पढ़ने वाले छात्रों के लिए है, जबकि जे-1 वीजा स्कॉलर्स, रिसर्चर्स सहित एक्सचेंज विजिटर्स के लिए है।

फैसला

ट्रम्प प्रशासन बोला- यूनिवर्सिटी यहूदी-विरोधी सोच को बढ़ावा दे रही

ट्रम्प प्रशासन में होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने हार्वर्ड को लिखा लेटर एक्स पर शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'ट्रम्प प्रशासन हार्वर्ड को अपने कैंपस में हिंसा, यहूदी-विरोधी सोच को बढ़ावा देने और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समन्वय बनाने के लिए जिम्मेदार ठहराता है।' 'यूनिवर्सिटीज के लिए विदेशी छात्रों को एडमिशन देना और उनसे मोटी फीस लेना, जिससे वे अपनी मल्टी-अरब डॉलर के खजाने को बढ़ा सके, एक विशेषाधिकार है, न कि अधिकार। हार्वर्ड को कई मौके दिए, लेकिन वह कानून का पालन करने में विफल रही। यह कार्रवाई इसे देश भर के सभी यूनिवर्सिटी और शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक चेतावनी है।' होमलैंड सुरक्षा विभाग (DHS) अपने बयान में कहा कि हार्वर्ड को लीड कर रहे लोगों ने अमेरिका विरोधी, आतंकवाद समर्थक आंदोलनकारियों को कई यहूदी छात्रों को परेशान करने और शारीरिक रुप से हमला करने की अनुमति दी। हिंसा को बढ़ावा देकर कैंपस में असुरक्षित माहौल बनाया है। इनमें से कई आंदोलनकारी विदेशी छात्र हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।

संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)